सोमवार
20 मई 2024

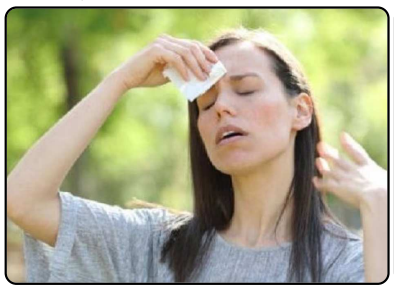

पृष्ठ 4
गर्मी में सेहत के लिए घरेलू नुस्खे...

पृष्ठ 5
खतरों के खिलाड़ी में भाग लेती...

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 110
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

ना तो कोई किसी का मित्र है ना ही शत्रु है। व्यवहार से ही मित्र या शत्रु बनते हैं।

– हितोपदेश

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

email: doonvalley_news@yahoo.com
आर.एन.आई.- 59626/94
Website: dunvalleymail.com

1 बजे तक 40 फीसदी के आसपास मतदान

निपट गया लोकसभा का 80 फीसदी चुनाव

- अमेठी में स्मृति का भविष्य दांव पर
- पांचवें दौर में भी मतदान सामान्य रहा

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में आज 49 सीटों के लिए वोट डाले जा रहे हैं। सुबह 7 बजे से शुरू हुए मतदान में लोगों का अच्छा उत्साह देखा जा रहा है। इस चरण में उत्तर प्रदेश की 14 तथा महाराष्ट्र की 13 सीटों सहित जिन 49 सीटों पर चुनाव हो रहा है उन पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और स्मृति ईरानी सहित चार केंद्रीय मंत्रियों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है वहीं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और नेशनल कांग्रेस के उमर अब्दुल्ला के भाग्य का फैसला आज मतदाता करने जा रहे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दोपहर 1 बजे तक उत्तर प्रदेश में 39.85 फीसदी तथा पश्चिम बंगाल में 48.41 फीसदी तथा बिहार में 34.62 फीसदी और महाराष्ट्र में 36.15 फीसदी मतदान होने की खबर है। उत्तर प्रदेश की चार सीटों को लेकर इस चरण में लोगों में अत्यधिक उत्सुकता देखी जा रही है जिसमें रायबरेली की वह सीट जिससे राहुल गांधी चुनाव मैदान में है तथा अमेठी की वह सीट जहां से केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी चुनाव मैदान में है जिनके मुकाबले में कांग्रेस द्वारा के. एल. शर्मा को चुनाव मैदान में उतारा गया है। यही नहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री बृजभूषण सिंह की केसरगंज सीट पर लोगों की निगाहें लगी हुई है जहां महिला खिलाड़ियों के यौन उत्पीड़न के आरोपों में फंसने के बाद भाजपा ने उनके बेटे को चुनाव मैदान में उतारा है। लखनऊ से चुनाव मैदान में उतरने वाले राजनाथ सिंह जो देश के रक्षा मंत्री हैं इस सीट पर तीसरी बार चुनाव जीत पाते हैं या नहीं इस पर भी सभी की नजरें लगी है। क्योंकि उनके द्वारा सेना में भर्ती के लिए लॉन्च की गई अग्निवीर योजना का इस दौर में घोर विरोध हो रहा है।

महाराष्ट्र में शिवसेना के दो गुटों में विभाजित होने के बाद ठाकरे परिवार के लिए भी यह चुनाव करो या मरो की स्थिति वाला है वहीं एनसीपी के लिए भी उसके अस्तित्व के सवाल के साथ जुड़ा हुआ है। भाजपा जिसने शिवसेना के साथ मिलकर महाराष्ट्र की राजनीति में जीत का परचम लहराया था 2019 के मुकाबले वह आधी भी सीटें जीत पाएगी उसके लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। मुंबई में आज तमाम अभिनेताओं व नेताओं ने अपने घरों से निकलकर खुद मतदान किया वहीं ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

जीप खाई में गिरी, कैफे संचालक सहित दो की मौत, तीन घायल

संवाददाता

देहरादून। जीप के खाई में गिरने से कैफे संचालक सहित दो लोगो की मौत हो गयी जबकि तीन गम्भीर रूप से घायल हो गये। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज प्रात: राजपुर थाना पुलिस को कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि शिखर फाल पर एक गाडी खाई में गिर गयी है। सूचना मिलते ही राजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने देखा कि एक गाडी सडक के नीचे गहरी खाई में गिरी हुई थी। पुलिस ने एसडीआरएफ के साथ राहत व बचाव कार्य प्रारम्भ किया। पुलिस ने एसडीआरएफ व स्थानीय लोगों की मदद से खाई में गिरे हुए व्यक्तियों को काफी मशक्कत के बाद

बाहर निकाला। घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी थी। जबकि तीन को पुलिस ने रेस्क्यू कर अस्पताल में भर्ती कराया। घायल व्यक्तियों द्वारा बताया गया कि उक्त थार गाडी में वे पांच लोग घूमने के लिए शिखर पर आये थे। जब वह शिखर फॉल से वापस घर जा रहे थे तभी जीप के ब्रेक फैल हो गये और वह नीचे खाई में गिर गयी। पुलिस के अनुसार मृतको की पहचान आयुष शर्मा पुत्र दिनेश दत्त शर्मा निवासी तेग बहादुर रोड डालनवाला वह मर्चेंट नेवी मे कार्यरत था तथा अवनी कुकरेती पुत्री आशीष कुकरेती निवासी कौलागढ मसूरी में कैंफे का संचालन करती थी। वहीं घायलों के नाम सागर नरूला पुत्र गुलशन नरूला निवासी फतेह नगर ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

फर्रुखाबाद में 8 बार मतदान करने वाला किशोर गिरफ्तार, पोलिंग पार्टी सस्पेंड

फर्रुखाबाद। यूपी के फर्रुखाबाद संसदीय क्षेत्र में आने वाले एटा जिले के एक मतदान केंद्र पर एक 17 वर्षीय किशोर को कथित रूप से बीजेपी के प्रत्याशी के पक्ष में सात बार फर्जी मतदान करने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। संबंधित मतदान केंद्र के मतदान दल के सभी सदस्यों को निलंबित करने और संबंधित

मतदान केंद्र पर पुनर्मतदान के निर्देश दिये गए हैं। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने इस वीडियो को श्एक्सश पर साझा किया और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी उनके संबंधित बयान को साझा करते हुए कहा श्अपनी हार सामने देखकर बीजेपी जनादेश को झुठलाने के लिए सरकारी तंत्र पर दबाव बनाकर लोकतंत्र को लूटना चाहती है। उप्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने एक बयान जारी कर कहा कि संबंधित मतदान दल के सभी सदस्यों को निलंबित करने और अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने के निर्देश जारी किए गए हैं। इस संबंध में किशोर का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की और उसे हिरासत में ले लिया। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी को ले जा रहा हेलीकॉप्टर हुआ क्रैश

● हादसे में ईरानी राष्ट्रपति राईसी की मौत

नई दिल्ली। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी का हेलिकॉप्टर रविवार को अजरबैजान के इलाके में क्रैश हो गया था। ईरानी मीडिया ने दावा किया है, कि ईरान के राष्ट्रपति के दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर तक अधिकारी पहुंच गये हैं और इस हादसे में ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम राईसी की मौत हो गई है। ईरानी सरकारी टीवी ने पहले कहा था, कि हेलीकॉप्टर का मलबा मिल गया है, लेकिन किसी जिंदगी के कोई निशान नहीं मिले हैं। वहीं, अब ताजा रिपोर्ट में उनकी मौत की बात कही गई है।

आपको बता दें, कि ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम राईसी, देश के विदेश मंत्री और अन्य अधिकारियों को ले जा रहा हेलीकॉप्टर रविवार को ईरान के उत्तर-पश्चिमी पहाड़ी

इलाकों में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। वे 12 घंटे से अधिक ज्यादा समय से लापता हैं। अब रिपोर्ट्स में कहा गया है, कि हादसे में ईरानी राष्ट्रपति की मौत हो चुकी है।

इस हादसे में राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के अलावा ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीर अब्दुल्लाहियन, पूर्वी अजरबैजान प्रांत के गवर्नर मालेक रहमती और धार्मिक नेता मोहम्मद अली आले-हाशेम का भी निधन हो गया है। ये सभी लोग एक हेलिकॉप्टर में सवार थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इब्राहिम रईसी के निधन पर दुख जताया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर कहा, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के राष्ट्रपति सैयद इब्राहिम रईसी के दुखद निधन से बहुत दुखी और स्तब्ध हूं। पीएम नरेंद्र मोदी ने आगे कहा, भारत-ईरान द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। उनके परिवार और ईरान के लोगों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। दुख की इस घड़ी में भारत ईरान के साथ खड़ा है।

दून वैली मेल

संपादकीय

चमत्कारी होंगे चुनाव परिणाम

लोकसभा की 49 सीटों के लिए आज पांचवे चरण में वोट डाले जा रहे हैं। इसके साथ ही लोकसभा का 80 फीसदी चुनाव निपट जाएगा महज 113 सीटों का चुनाव शेष बचेगा छठे और सातवें चरण के लिए। यूं तो चौथे चरण के मतदान के साथ ही बहुत हद तक इस चुनाव की दिशा और दशा के बारे में स्थिति साफ हो चुकी थी लेकिन अब मतगणना से आने वाले असली नतीजों के लिए भी बहुत लंबा इंतजार शेष नहीं बचा है ठीक 15 दिन बाद पता चल जाएगा कि भाजपा का 400 पार का नारा कितना सच था या फिर राहुल गांधी का 4 जून को मोदी देश के प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे का दावा कितना दमदार है। राजनीतिक पंडित तो अपने-अपने मापदंडो के आधार पर इस चुनाव की समीक्षा करने में जुटे ही हैं इसके साथ ही सोशल मीडिया पर प्रायोजित एग्जिट पोल की भी बाढ़ आई हुई है। तमाम ज्योतिषाचार्य भी अपनी दुकानें खोले बैठे हैं और वह तमाम तरह की भविष्यवाणियां कर रहे हैं। सट्टा और शेयर बाजार भी इस काम में पीछे नहीं है। नेताओं के दावों पर इसलिए भी भरोसा किया जाना संभव नहीं है क्योंकि वह भी एक दूसरे पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाकर जनता को यही संदेश देने का प्रयास करते हैं कि जीत तो वही रहे हैं। इस चुनाव में मतदान प्रतिशत से लेकर ईवीएम की विश्वसनीयता पर उठने वाले सवाल तो लगातार हावी रहे ही हैं इसके साथ ही निर्वाचन आयोग की भूमिका पर कोई कम सवाल नहीं उठाए गए हैं। चुनाव प्रचार के दौरान नेताओं ने जिस तरह से चुनाव आचार संहिता की धज्जियां उड़ाई थी और चुनाव आयोग मूक दर्शक बना रहा वह भी चर्चाओं के केंद्र में है। चुनाव आयोग द्वारा वोट प्रतिशत के आंकड़ों में मतदान के 8-10 दिन बाद तक किए जाने वाले बदलाव भी चुनावी धांधली की संभावनाओं को ही दर्शाता है। यहां तक की सुप्रीम कोर्ट तक में वह इसके बारे में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। चुनाव में व्यापक स्तर पर काले धन का इस्तेमाल हुआ है। इसके भी तमाम प्रमाण चुनाव के दौरान सामने आए हैं। लेकिन यह तमाम बातें अब तक लगभग सभी चुनावों में समान रूप से देखी जाती रही है लेकिन सवाल यह है कि इन चुनावों के परिणामों पर इसका कितना प्रभाव पड़ता है यह 4 जून को ही पता चल सकेगा। इतना सब कुछ होने के बाद भी अगर एनडीए व भाजपा को सत्ता से बाहर होना पड़ता है तो इसके मायने यही होंगे कि जनता में सत्ता के खिलाफ भारी आक्रोश था और वह भाजपा और मोदी सरकार के 10 सालों के काम से कतई भी संतुष्ट नहीं थी। इन दिनों जिस तरह से विपक्ष या इंडिया गठबंधन की जनसभाओं में उमड़ने वाली भीड़ से तो कुछ ऐसा ही संदेश मिल रहा है। अगर इंडिया गठबंध न भाजपा और एनडीए को सत्ता से बाहर कर पाता है तो यह किसी चमत्कार जैसा ही होगा। लेकिन भारत के लोकतंत्र में ऐसे चमत्कार की कोई नई बात नहीं है। इस चुनाव में मतदाताओं के कम रुझान के पीछे अब आरएसएस द्वारा भाजपा के साथ न दिए जाने की जो बात आ रही है अगर वह सच है तो फिर मोदी सरकार का जाना और इंडिया गठबंधन का सत्ता में आना तय है उसे कोई नहीं रोक सकता लेकिन अब सब कुछ 4 जून को ही तय होगा।

ट्रैफिक लाईट लगवाने की मांग को लेकर डीएम को ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। चन्द्रबनी चौक पर ट्रैफिक लाईट लगवाने की मांग को लेकर क्षेत्रवासियों ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौपा। आज यहां चन्द्रबनी क्षेत्र के निवासी निवर्तमान पार्षद सुखबीर सिंह बुटोला के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पहुंचे जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि चन्द्रबनी चौक सहारनपुर रोड मुख्य मार्ग पर चौक पर बिना ट्रैफिक लाइटों के कारण कई दुघर्टनाएं अभी तक हो चुकी है। यहां से वाईल्डलाइफ इंस्टीटयूट चन्द्रबनी व सुभाषनगर क्षेत्र के आसपास के हजारों बच्चे रोज स्कूल व हजारों लोग अपने नौकरी पेशा मे आते जाते है। यहां चौक में गाडियां बडी तेजी के साथ यहां से गुजरते हैं। गत वर्षो में यहां पर कई व्यक्तियो की दुघर्टना में मृत्यु भी हो चुकी है। उन्होंने जिलाधिकारी से चन्द्रबनी चौक पर ट्रैफिक लाईट लगवाने व यातयात कंट्रोल हेतु पुलिस व्यवस्था की मांग की। ज्ञापन देने वालों में अनिल, राधेश्याम, महेश कुमार विजय यादव, जगदीश रतूडी, अनीश, सुदामा सिंह, नरेन्द्र कश्यप, विकास कश्यप, अजय कुमार गोयल आदि लोग शामिल थे।

यमो नो गातुं प्रथमो विवेद नैषा गव्यूतिरपभर्तवा उ।
यत्रा नः पूर्वे पितरः परेयुरेना जज्ञानाः पथ्या अनु स्वाः।।
(ऋग्वेद १०-१४-२)

सर्वव्यापक परमेश्वर ने हमें धर्म के मार्ग पर चलने का ज्ञान दिया है। परमेश्वर के दर्शाए मार्ग पर चलने से हम विषय भोगों में लिप्त नहीं होंगे। हमारे पूर्वजों ने भी इसी मार्ग को अपनाया। हमें भी इसी मार्ग को अपनाना चाहिए और अपने जीवन को सफल बनाना चाहिए।

विकास मेरे शहर का !

पिछली स्याही का और आगे का हिस्सा (भाग चौथा)

पहाड़ में तो पब्लिक कम है लेकिन बड़े शहर और महानगरों में लोगों को नींद कैसे आती होगी?

धुंवाधार प्रचार होता रहा। सड़कों, चौराहों और चौपालों को बैनरों पोस्टरों से पाट दिया गया। आम सभाओं में मुझे श्कूड़ा जिंदाबादश और मेरे प्रतिद्वंदी को श्कचरा मुर्दाबादश सुनाई देता रहा। प्रचार थमा। बोटिंग हुई। फिर गिनती हुई। उसके बाद रिजल्ट डिक्लेयर हुआ। सबने कहा- 'जीत गया-हमारा भाई जीत गया!' पत्नी ने पूछा- 'कौन जीता?' मैंने जवाब दिया- 'आपका कूड़ा!'

बंधुओं! ये भी मैंने सपने में ही देखा- सालों बाद भी मेरे घर पर कूड़ा, सर पर कूड़ा, शहर भर में जहां देखो कूड़ा ही कूड़ा बिखरा पड़ा।

एक आदमी दूसरे आदमी से कह रहा- 'भाई ये कूड़ा कब उठेगा?'

दूसरे ने जवाब दिया -'जब हाई कमान चाहेगा!'

मैंने कहा- 'करतूत तुम्हारी मैं क्यों अपने सर पर लूंगा? मैं लडूंगा! मैं जरूर लडूगा! और अन्तिम सांस तक इस कूड़े, इस कचरे के खिलाफ लडूंगा!!'

हम जानते हैं शहर में कूड़ा-कचरा 'विकास' का है। और 'विकास'किसका है? हम सबका है। लेकिन हम एक दूसरे से पूछते हैं- 'ये कूड़ा- कचरा कौन डाल रहा है? माना कि हमारा 'विकास' गलत रास्ते पर जा रहा है! या हमारा 'विकास' हर किसी के आगे समस्या खड़ी कर रहा है! तो उसका उपाय क्या है?

एक दिन सोचा इस कूड़े- कचरे को अपना ही समझूं। और इसके निस्तारण का कुछ उपाय करूं! फिर सोचा- क्या उपाय करूं? तब से अजीब स्थिति से गुजर रहा हूं। मुंह आगे खड़ी समस्या को देख भी रहा हूं लेकिन- चिंता और उपाय के बीच ही झूल रहा हूं। वैसे शहर भर में कूड़े -कचरे की चिंता करने वाला-मैं मात्र अकेला नहीं हूं। जो मैं सोच रहा हूं-शहर भर के लोग वही सोच रहे हैं।

ऐसा भी नहीं कि शहर के लोग आज से पहले सोचते ही नहीं थे? शहर में एक से एक त्यागी हुए, तपस्वी हुए। ललित मोहन कोठियाल शहर में एक ऐसे ही त्यागी और तपस्वी थे। वे दिनभर सोचते, उपाय खोजते रहते थे। और रात में जाग कर लिखते ही रहते थे। इसी उम्मीद में कि शायद कोई उनका लिखा हुआ पढ़े और जागे। लेकिन इस मामले में वे त्यागी होकर भी अभागे ही रहे।

ललित मोहन छड़े थे। गुरु भवन में वे अकेले ही रहते थे। हम सोचते थे वे -जब जो मर्जी पकाकर खा लेते होंगे। किंतु इस मामले में हम उनके करीब होकर भी अंधे रहे। वे एक रोज अचानक बीमार हुए। पड़ोस से देवानन्द और मनोहर चमोली उन्हे जिला अस्पताल ले गए। जिला अस्पताल ने हाथ खड़े किए-तो हड़बड़ी में ही वे उन्हें बेस अस्पताल ले गए।

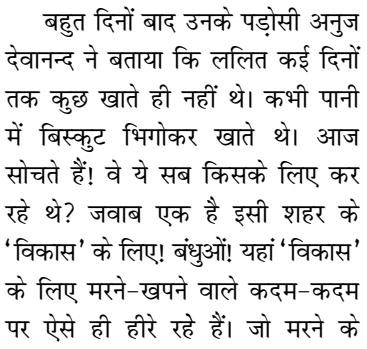

●नरेन्द्र कठैत

याद है 6 अक्टूबर दो हजार अठारह का वह मनहूस दिन जब दोपहर ढलने ही श्रीनगर के बेस अस्पताल से बदहवास सा देवानन्द ने फोन किया - 'कठैज भैजी! ललित भाई नहीं रहे! मैं अकेला हूं तुरन्त बेस अस्पताल आ जाएं!' हमारे लिए बज्र पात जैसी घटना थी ये। पौड़ी से जिसको जैसे ही सूचना मिली - सीधे श्रीनगर भागे! पत्रकार मित्र त्रिभुवन उनियाल, समाज सेवी भ्राता अनिल स्वामी भी पहुंचे। एक-एक कर सब आगे बढ़ते। स्टेचर पर अचेत लेटे ललित के पास जाते। और कहते - 'ललित भाई हम हैं!' 'आंखें खोलो! देखो कौन है!' इस उम्मीद के साथ कि वह जागे। लेकिन न ललित ने आंखे खोली न वे जागे- वे चल बसे।

बहुत दिनों बाद उनके पड़ोसी अनुज देवानन्द ने बताया कि ललित कई दिनों तक कुछ खाते ही नहीं थे। कभी पानी में बिस्कुट भिगोकर खाते थे। आज सोचते हैं! वे ये सब किसके लिए कर रहे थे? जवाब एक है इसी शहर के 'विकास' के लिए! बंधुओं! यहां 'विकास' के लिए मरने-खपने वाले कदम-कदम पर ऐसे ही हीरे रहे हैं। जो मरने के बाद भी हमने नहीं पहचाने हैं।

ऐसा भी नहीं कि इस शहर के सभी विकासवादी सोच के लोग ललित जैसे ही समर्पित रहे। शहर में कुछ लोग ऐसे भी थे - जो 'विकास' विरोधि यों के खिलाफ एकजुट दिखते थे। हाय! हाय! के नारे लगा रहे थे। जोश भरे भाषण दे रहे थे। रोज अखबारों में छप रहे थे। हमें राम राज्य का पाठ पढ़ा रहे थे। शहर के विकास के लिए हमारे ही मुंह पर राख पोतकर शहर भर में हमारी ही शिव बारात निकाल रहे थे। या यूं क्यों न कहें वे जो कुछ भी कर रहे थे -उस पर वे हर शहरवासी से वाह वाही लूट रहे थे। लगता था यही लोग शहर के 'विकास' को अब सही राह देंगे। लेकिन विडम्बना देखिए - वे भी इस शहर को बाय! बाय! कह गए। वो शहर जिसमें पले-बढ़े उसी को बाय? बाय? अरे 'विकास' तू भी कैसे-कैसे हाथों की कठपुतली रहा रे!

कुछ लोग कहते हैं कि जो गाहे-बगाहे इस शहर को छोड़ कर चले गए हैं -वे बिना 'विकास' के नहीं जा सकते थे। और कुछ लोगों का ये भी कहना है कि वे इस शहर का 'विकास' भी अपने साथ ले गए हैं। और इस शहर में अपना कूड़ा- कचरा छोड़ गए हैं। सवाल उठता है वे कितना कूड़ा-कचरा छोड़ गए हैं?

उधर मेसमोर के गधेरे में तो हम कूड़ा-कचरा महीनों से नहीं बल्कि वर्षों से जलता हुआ देख रहे हैं। क्या इस शहर को छोड़ने वाले इतना कूड़ा -कचरा छोड़ गए हैं? क्या वो इस शहर में कूड़ा-कचरा ही जमा कर रहे थे?

बंधुओ! हम शहर छोड़ने वालों को ही क्यों दोष दें? हम भी कहां दूध के धुले हुए हैं। अभी भी इस शहर में बहुत कुछ कूड़ा-कचरा बाकि है! इस शहर में अगर अभी भी गन्दगी है तो उसमें भागीदारी हमारी भी है। तो उसे जलने दें! ये कूड़ा -कचरा जलना ही चाहिए। इसे राख होने तक मिट्टी में मिलने दें। क्योंकि हमें न किसी कि हाय! हाय! चाहिए! न बाय! बाय! चाहिए! हमें नई पौध के लिए खाद चाहिए। साफ हवा चाहिए।

हालांकि! शहर में कुछ लोग ऐसे भी हैं जो सफाई पसन्द हैं। सोचता हूं उनका क्या कसूर है। वे तो गेहूं के साथ घुन की तरह पिस रहे हैं। चिन्ता हमें उन्हीं की है। वास्तव में निर्दोष होकर भी उन्होंने इस शहर के कूड़े- कचरे की गंध में बड़े कष्ट सहे हैं। किंतु आज भी वे हारे नहीं हैं। कहते हैं एक दिन कूड़ा-कचरा साफ होगा। लोग पूछते हैं - 'कैसे?'

वे जवाब देते हैं- 'जब शहर जागेगा! तब असली 'विकास' होगा। और वही 'विकास' शहर भर का कूड़ा-कचरा साफ करेगा।'

वे सही कहते हैं 'सोकर नहीं जागकर ही 'विकास' होगा।' हम भी आशावादी हैं। शहर में जितने 'विकास' हो सकें होने ही चाहिए। कुछ 'विकास' भाषा के होने चाहिए, कुछ 'विकास' कला के होने चाहिए, कुछ 'विकास' संस्कृति के होने चाहिए, कुछ विकास संस्कार के चाहिए, कुछ 'विकास' शिल्प के चाहिए। हमें नीति के क्षेत्र में भी 'विकास' चाहिए। लेकिन राजनीति का 'विकास' इस शहर के माफिक नहीं है। जितना सम्भव हो सके राजनीति के 'विकास' की ओर हाथ जोड़ दें। लेकिन सबसे पहले यह प्रण करें कि हम सोएंगे नहीं, हर हाल में जागेंगे!

हम 'विकास' से दूर हैं फिर भी घबराए नहीं हैं। रोज कंडोलिया देव के आगे हाथ जोड़कर प्रार्थना कर रहे हैं कि- जो इस शहर का 'विकास' कहीं और ले गए हैं या इस शहर को बाय! बाय! कर गए हैं- प्रभू आप उनकी भी रक्षा करें!

किंतु लगता है कंडोलिया देव के आगे खड़े होकर हम अपने कर्तव्य ही भूल गए। क्या कंडोलिया देव ने कभी ये कहा कि हम हाथ जोड़कर ही खड़े रहें-कुछ काम ही न करें।

हम देख रहे हैं- हम आज भी दोराहे पर खड़े हैं। हमारे आगे घने झाड़ हैं। हम जानते हैं वो उखाड़े जा सकते हैं। उखड़े न तो काटे जा सकते हैं। लेकिन हमने न वे उखाड़े हैं और न काटे हैं। मन में सभी यही सोच रहे हैं कि ये काम 'विकास' का है- 'हम क्यों करें?' बस समाज को दिखाने भर के लिए कर्तव्य निभा देते हैं।

विकास यात्रा जारी है...

साभार: नरेन्द्र कठैत के फेसबुक पेज से

बेरोजगारी बन रही राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा

सुषमा गौर

ऐसे वक्त में जब देश भर के किसान अपनी फसलों के लिये सम्मानजनक न्यूनतम समर्थन मूल्य की मांग पर दिल्ली कूच कर रहे हैं और वकील व सिविल सोसायटियां ईवीएम से वोट न कराने के लिये प्रदर्शन कर रही हैं, भारतीय जनता पार्टी की मुश्किलें इस मायने में और भी बढ़ती आ रही हैं कि अब देश में चरम पर पहुंच चुकी बेरोजगारी की आंच युवाओं और छात्रों को झुलसाने लगी है। कथित मोदी मैजिक उतरता दिख रहा है क्योंकि युवा जीवन की तल्ख़ सच्चाइयों से परिचित हो रहे हैं। अगर युवाओं और छात्रों को इस बात का एहसास हो गया कि उन्हें भावनात्मक मुद्दों के आधार पर बरगलाया गया है तो भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुश्किलें आगामी लोकसभा चुनाव में बढ़ सकती हैं जिसकी किसी भी क्षण घोषणा होने का इंतज़ार देश कर रहा है।

नरेन्द्र मोदी का आविर्भाव और उनके तेजी से भारतीय राजनीति में छा जाने के लिये सबसे अधिक जिम्मेदार युवा व छात्र ही थे। आज वही वर्ग उम्र के इस मुकाम पर खड़ा है जहां वह महसूस कर रहा है कि अगर अगले एक-दो वर्षों में उसे नौकरी न मिली तो उसके सामने आजीवन बेरोजगार रहने का खतरा है। 2013 में श्री मोदी को जब भारतीय जनता पार्टी और उनकी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया था तो उनका सबसे बड़ा समर्थक वर्ग यही युवाओं व किशोरों का था। उनके मन में भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के नेताओं के बारे में घृणा भरी हुई थी। गांधी और नेहरू को गालियां देने वाले ऐसे युवाओं का राजनैतिक ज्ञान इतना ही था कि अय्याश नेहरू ने कश्मीर पाकिस्तान को दे दिया और अगर उनकी जगह सरदार पटेल प्रधानमंत्री बनते तो अब तक अखंड भारत बन चुका होता। वे यह भी मानते थे, अब भी कई ऐसे हैं जो ऐसा ही सोचते हैं, कि कांग्रेस गद्दारों की पार्टी है और मुस्लिम परस्त है।

उस वाट्सएप विश्वविद्यालय से आयातित ज्ञान का पाठ्यक्रम विशालकाय है, जिसकी स्थापना इन्हीं लोगों के लिये की गयी है और जिसके सारे अध्यायों को किसी भी अखबार के सीमित पन्नों में नहीं समेटा जा सकता। बहरहाल, देश के 1947 में आजाद होने नहीं वरन उसे 99 वर्षों के लिये लीज़ पर देने वाला यह वर्ग मौजूदा सरकार के राज में मस्जिदों के सामने नाच-गाकर मजे से समय काट रहा था। कुछ अब भी यही क्वालिटी टाइम व्यतीत कर रहे हैं। यही वह वर्ग था जो मानता था कि इस महामानव के पास सारी समस्याओं का हल है और वह (मोदी) डॉ. मनमोहन सिंह जैसा हार्वर्ड विश्वविद्यालय में पढ़ने की बजाय हार्ड वर्क करके चीन और पाकिस्तान को कंपकंपा देगा। राहुल गांधी ने रोजगार का मसला उठाकर उस तालाब में कंकड़ नहीं बल्कि बड़ा सा पत्थर फेंक दिया है जिससे युवाओं-छात्राओं की उनींदी आंखों पर पानी का ऐसा जबर छिड़काव हुआ है कि उनकी आंखें खुलती सी दिख रही हैं। वैसे तो राहुल गांधी ने जब 7 सितम्बर, 2022 से 30 जनवरी, 2023 तक (कन्याकुमारी से कश्मीर) की भारत जोड़ो यात्रा की थी, तब भी बड़ी संख्या में उनसे मिलने युवा आ रहे थे। उन्होंने यह पाया कि जिस व्यक्ति की छवि को जैसा पेश किया गया था, वह वैसा बिलकुल नहीं है। वह न युवराज है न शहजादा। अग्निवीर योजना जब भारत सरकार लेकर आई तभी श्री गांधी ने इसे युवाओं के साथ अन्याय बतलाया था। आज साबित हो चुका है कि देश की सेना तक उससे रज़ामंद नहीं थी। एक सनकपूर्ण व अदूरदर्शितापूर्वक लिये गये फैसले से छात्रों व युवाओं के करियर को तो नुकसान हुआ ही, सेना को भी अधिकारियों की कमी का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। 14 जनवरी से निकली उनकी भारत जोड़ो न्याय यात्रा में भी असंख्य युवा राहुल गांधी से मिल रहे हैं। अब यह वर्ग जान गया है कि उनके भीतर नफरत और हिंसा इसलिये भरी गयी थी ताकि भाजपा सरकार उनके रोजगार भी छीन ले तो वे उसका विरोध न कर सकें। अब वह यह भी जान गया है कि हर साल 2 करोड़ लोगों को रोजगार देने की बात सिवाय जुमले के कुछ नहीं था। अब वे इस स्थिति में और जीवन के इस पड़ाव में पहुंच गये हैं जिसमें न वे नौकरी के लायक रह गये हैं और न ही पकौड़े बेच सकते हैं।

पछतावे व खुल चुकी और आंखों के साथ अब युवा राहुल गांधी के साथ यात्रा के दौरान मंच साझा कर रहे हैं। जिस उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की पुलिस छात्रों और युवाओं पर डंडे बरसाने में कोई मुरव्वत नहीं करती, वहीं वाराणसी, प्रयागराज आदि में युवा व छात्र राहुल के साथ वाहनों के बोनट और छतों पर खड़े होकर बता रहे हैं कि कैसे यहां प्रश्नपत्र योजनाबद्ध तरीके से लीक कराकर परीक्षाएं ही निरस्त करा दी जाती हैं। कभी मोदी मोदी का समवेत करने वाले युवा अब बता रहे हैं कि कैसे वे अग्निवीर योजना के माध्यम से ठगे गये हैं। युवाओं के जाग्रत होने का ही यह खौफ है कि 17-18 फरवरी को हुई पुलिस भर्ती परीक्षा इसलिये रद्द कर दी गयी क्योंकि उसके पेपर लीक हो गये थे। इसे लेकर राज्य में युवाओं-छात्रों के प्रदर्शन हुए थे। राहुल के अलावा प्रियंका गांधी भी उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में हुई सभा में लोगों का अपने हक के लिये लड़ने का आह्वान कर रही थीं। राहुल कह रहे हैं कि वे बब्बर शेर हैं और उन्हें किसी से डरने की ज़रूरत नहीं है। बेरोजगारी का राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनना बेहद शुभ संकेत है।

गर्मी आई साथ में प्यास भी गहराई

पंकज चतुर्वेदी

इस बार गर्मी जल्दी आई और साथ में प्यास भी गहराई। केंद्र सरकार की महत्त्वाकांक्षी 'हर घर जल योजना' ने बढ़ते ताप के सामने दम तोड़ दिया।

आखिर, धरती का सीना चीर कर गहराई से पानी उलीचने से हर एक का कंठ तर होने से तो रहा। वैसे हकीकत तो यह है कि अब देश के 32 फीसद हिस्से को पानी की किल्लत के लिए गरमी के मौसम का इंतजार भी नहीं करना पड़ता- बारहों महीने, तीसों दिन जेठ ही रहता है।

कुछ दशक पहले पलट कर देखें तो आज पानी के लिए हाय-हाय कर रहे इलाके अपने स्थानीय स्रोतों की मदद से ही खेत और गले, दोनों के लिए अफरात पानी जुटाते थे। एक दौर आया कि अंधाधुंध नलकूप रोपे जाने लगे, जब तक संभलते जब तक भूगर्भ का कोटा साफ हो चुका था।

समाज को एक बार फिर बीती बात बन चुके जल-स्रोतों की ओर जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है-तालाब, कुएं, बावड़ी। लेकिन एक बार फिर पीढ़ियों का अंतर सामने खड़ा है, पारंपरिक तालाबों की देखभाल करने वाले लोग किसी ओर काम में लग गए और अब तालाब सहेजने की तकनीक नदारद हो गई है। तभी बीते तीन दशक में केंद्र और राज्य की अनेक योजनाओं के तहत तालाबों से गाद निकालने, उन्हें सहेजने के नाम पर अफरात पैसा खर्च किया गया और नतीजा रहा वही 'ढाक के तीन पात!'

भारत के हर हिस्से में वैदिक काल से लेकर ब्रितानी हुकूमत के पहले तक सभी कालखंडों में समाज द्वारा अपनी देश-काल-परिस्थिति के मुताबिक बनाई गई जल संरचनाओं और जल पण्रालियों के कई प्रमाण मिलते हैं, जिनमें तालाब हर जगह हैं। रेगिस्तान में तो उन तालाबों को सागर की उपमा दे दी गई तो कन्नड में कैरे और तमिल में ऐरी। यहां तक कि ऋग्वेद में भी सिंचित खेती, कुओं और गहराई से पानी खींचने वाली प्रणालियों का उल्लेख मिलता है।

हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ो (ईसा से 3000 से 1500 साल पूर्व) में जलापूर्ति और मल निकासी की बेहतरीन पण्रालियों के अवशेष मिले हैं। ईसा से 321-297 साल पहले, कौटिल्य का अर्थशास्त्र बानगी है जो बताता है कि तालाबों को राज्य की जमीन पर बनाया जाता था। समाज ही तालाब गढ़ने का सामान जुटाता था। जो लोग इस काम में असहयोग करते या तालाब की पाल को नुकसान पहुंचाते उन्हें राज्य-दंड मिलता। आधुनिक तंत्र की कोई भी जल संरचना 50-60 साल में दम तोड़ रही है जबकि चंदेलकाल अर्थात 1200 साल से अधिक पुराने तालाब आज भी लोगों को जिंदगी का भरोसा दिए हुए हैं।

अंग्रेज शासक चकित थे, यहां के तालाबों की उत्तम व्यवस्था देख कर। उन दिनों कुओं के अलावा तालाब ही पेयजल और सिंचाई के साधन हुआ करते थे। फिर आधुनिकता की आंधी में सरकार और समाज, दोनों ने तालाबों को लगभग बिसरा दिया, जब आंख खुली तब बहुत देर हो चुकी थी। एक सदी पहले तक बुंदेलखंड के इन तालाबों की देखभाल का काम पारंपरिक रूप से ढीमर समाज के लोग करते थे। वे तालाब को साफ रखते, उसकी नहर, बांध, जल आवक को सहेजते-ऐवज में तालाब की मछली, सिंघाड़े और समाज से मिलने वाली दक्षिणा पर उनका हक होता। इसी तरह प्रत्येक इलाके में तालाबों को सहेजने का जिम्मा समाज के एक वर्ग ने उठा रखा था और उसकी रोजी-रोटी की व्यवस्था वही समाज करता था, जो तालाब के जल का इस्तेमाल करता था।

लेकिन आज गांव या शहर के रुतबेदार लोग जमीन पर कब्जा करने के लिए बाकायदा तालाबों को सुखाते हैं, पहले इनके बांध फोड़े जाते हैं, फिर इनमें पानी की आवक के रास्तों को रोका जाता है-न भरेगा पानी, न रह जाएगा तालाब। गांवों में तालाब से खाली हुई उपजाऊ जमीन लालच का कारण होती है तो शहरों में कालोनियां बनाने वाले भूमाफिया इसे सस्ता सौदा मानते हैं। राजस्थान में उदयपुर से ले कर जैसलमेर तक, हैदराबाद में हुसैनसागर, हरियाणा में दिल्ली से सटी सुल्तानपुर लेक या फिर उप्र के चरखारी और झांसी हों या फिर तमिलनाडु की पुलिकट झील; सभी जगह एक ही कहानी है। हां, पात्र अलग-अलग हो सकते हैं।

सभी जगह पारंपरिक जल-प्रबंधन के नष्ट होने का खमियाजा भुगतने और अपने किए या फिर अपनी निष्क्रियता पर पछतावा करने वाले लोग एक समान ही हैं। समाज और सरकार पारंपरिक जल-स्रोतों कुओं, बावडियों और तालाबों में गाद होने की बात करते हैं, जबकि हकीकत में गाद तो उन्हीं के माथे पर है। सदा नीरा रहने वाली बावड़ी-कुओं को बोरवेल और कचरे ने पाट दिया तो तालाबों को कंक्रीट का जंगल निगल गया। एक तरफ प्यास से बेहाल होकर अपने घर-गांव छोड़ते लोगों की हकीकत है, तो दूसरी ओर पानी का अकूत भंडार! यदि जल संकटग्रस्त इलाकों के सभी तालाबों को मौजूदा हालात में भी बचा लिया जाए तो वहां के हर इंच खेत को तर सिंचाई, हर कंठ को पानी और हजारों हाथों को रोजगार मिल सकता है।

शॉवर के बाद ड्राई स्किन हो जाए तो आजमाएं ये टिप्स

अगर आपकी स्किन ड्राई है तो इसका साफ मतलब है कि आपकी त्वचा में कम सीबम बनता है। ऐसा अक्सर सर्दियों में ही होता है जब एडियां फट जाती हैं, होंठ सूख जाते हैं और त्वचा खुरदुरी हो जाती है। वहीं दूसरी ओर लोग रूखापन दूर करने के लिये मॉइस्चइराजर, लोशन और क्रीम आदि पर पैसे बहाते हैं।

अगर ड्राई स्किन का इलाज ना ढूंढा गया तो, बारीक धारियां कब झुर्रियों में बदल जाएंगी आपको पता भी नहीं चलेगा। ना केवल शॉवर लेने के बाद ही बल्कि शेविंग करने के बाद भी त्वचा रूखी हो जाती है। अगर आपको इसका कोई परमानेंट इलाज चाहिये तो हमारे बताए गए ये 7 टिप्स आजमाइये। अगर इससे भी आपकी त्वचा का रूखापन ना जाए तो आप डॉक्टर की सलाह जरूर लें। हो सकता है कि इतने रूखेपन और खुजली का कारण एक्जिमा के कारण हो।

गरम पानी से रहें दूर गरम पानी जब शरीर पर पड़ता है तो वह प्राकृतिक तेल को सोख लेता है और त्वचा रूखी बन जाती है। सर्दियों में स्टीम बाथ काफी फायदा करती है।

नहाने के पानी में तेल की बूंद डालें नहाने के पहले पानी में कुछ बूंद ऑलिव या बादाम का तेल मिला लें। इससे त्वचा मुलायम बनी रहती है।

खुशबूदार साबुन का प्रयोग न करें जी

हां, साबुन जितना खुशबूदार होगा उनता ही कैमिकल उसमें होगा। इन्हें लगाने से त्वचा रूखी बन जाती है। ऐसे साबुनों का प्रयोग करें जिसमें एलोवेरा या नीम मिला हो।

हनी पैक का करें प्रयोग आप चाहें तो शहद और दही का पैक बना कर नहाने से पहले पूरे शरीर पर लगा सकती हैं। जब यह सूख जाए तब आप नहा लें। ऐसा 3 हफ्ते तक करें जिससे आपको पॉजिटिव रिजल्ट मिले।

मॉइस्चराइजर लगाएं ऐसा आपको नहाने के तुरंत बाद करना है। रूखी त्वचा के लिये मॉइस्चराइजर का प्रयोग करें। नहाने के बाद मॉइस्चराइजर का प्रयोग पूरे शरीर पर करें। अगर त्वचा एक घंटे के बाद रूखी लगने लगे तो दुबारा से मॉइस्चराइजर लगाएं।

त्वचा से बेरूखी ना करें जब त्वचा पर डेड स्किन जमा हो जाती है तो त्वचा रूखी दिखने लगती है। इसे हटाने के लिये आपको स्क्रबर का प्रयोग करना होगा। लेकिन अपनी स्किन को तेजी से ना रगड़ें। अपने चेहरे पर स्क्रबर लगाएं और उंगलियों से हलके हलके रगड़ें। उसके बाद सादे पानी से चेहरे को धो लें। शेविंग करते वक्त सतर्क रहें त्वचा पर कभी भी सीधे तौर पर रेज़र ना चलाएं। हमेशा ऐसे शेविंग क्रीम का प्रयोग करें जिसमें एलोवेरा या कोई हर्बल सामग्री मिली हो।

भारत में चल रही नशे की सुनामी

ममता भार्गव

हाल ही में एक पाकिस्तानी नौका से छह सौ करोड़ मूल्य की 86 किलोग्राम हेरोइन की बरामदगी भारत में नशे के बढ़ते कारोबार में विदेशी साजिश का खुलासा करती है। वैसे यह अकेली घटना नहीं है, हाल ही के वर्षों में अरबों रुपये के नशीले पदार्थों की बरामदगी हुई है। दरअसल, कई देशों के सत्ता प्रतिष्ठानों की मिलीभगत से नार्को-आतंकवाद के एक बड़े पैटर्न को अंजाम दिया जा रहा है। निश्चित तौर पर यह साजिश हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये एक गंभीर चुनौती है। पुराने अनुभव बताते हैं कि जम्मू-कश्मीर व पंजाब में नशे के कारोबार से अर्जित धन को आतंकवाद के पोषण में लगाया गया।

आतंकवादियों को हथियार व पैसा उपलब्ध कराया गया। पिछली मई में भी नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यानी एनसीबी और नौसेना के साझे मिशन के जरिये केरल तट पर ढाई हजार किलोग्राम नशीला पदार्थ बरामद किया गया। जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत पंद्रह हजार करोड़ रुपये बतायी गई थी। यह देश में बरामद अब तक की सबसे बड़ी नशे की खेप थी। गत माह गुजरात के तट पर साठ पैकेट ड्रग्स

ले जा रही एक नौका को जब जब्त किया गया तो छह पाकिस्तानी चालक दल के सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। इसी तरह फरवरी में पोरबंदर तट पर पांच विदेशी नागरिकों को चरस व 3300 किलोग्राम नशीले पदार्थों के साथ पकड़ा गया था। दरअसल, इस नशे के कारोबार की शुरुआत अक्सर अफगानिस्तान से होती है, जहां अफीम व हेरोइन का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है। नशे का यह कारोबार अब अफगान सरकार की आय का बड़ा स्रोत भी है। बहरहाल, हालिया घटनाक्रम समुद्र के जरिये मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिये गंभीर उपायों की जरूरत बताता है। जिसके लिये मजबूत कानून, प्रवर्तन एजेंसियों की भागीदारी, कुशल खुफिया-साझाकरण तंत्र, नौसेना व तटरक्षक बलों में तालमेल तथा आतंकरोधी दस्ते के जरिये निगरानी तंत्र को मजबूत बनाने की जरूरत है।

यह भी विचारणीय प्रश्न है कि ये नशीले पदार्थ किस तरह व कहां भारत में बेचे जा रहे हैं। नशीले पदार्थों के मांग पक्ष को भी संबोधित करने की जरूरत है। नशीली दवाओं की रोकथाम के साथ ही पुनर्वास कार्यक्रमों में निवेश किया जाना चाहिए। साथ ही नशे के खिलाफ युवाओं के बीच जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। उन उपायों को लागू करना होगा जो युवाओं को नशे से दूर रखने में मददगार हो सकें। जब भी नशे की कोई बड़ी खेप बरामद होती है तो हमारी चिंता बढ़ जाती है। सोमवार को पंजाब में नशे की एक बड़ी खेप के साथ ड्रग मनी व अन्य अवैध सामान बरामद किए गए। इस काले धंधे में अभियुक्त व्यक्ति ही नहीं, उसकी बेटी व दामाद भी लिप्त थे।

यह नशे का सामान पाकिस्तान के रास्ते भारत पहुंच रहा था। सवाल उठता है कि यदि इतने बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों की बरामदगी न होती तो कितने युवा नशीले पदार्थों का सेवन करके पथभ्रष्ट होते? देश का कितना धन विदेशों को चला जाता? इस नशे से मिलने वाला धन कालांतर में आतंकवाद व अपराध की दुनिया को मजबूत करता। हाल ही के दिनों में नशीले पदार्थों की भारी मात्रा में बरामदगी इस बात की ओर इशारा करती कि देश में नशीले पदार्थों की खपत लगातार बढ़ रही है। जो निश्चित रूप से देश की युवा शक्ति को पतन के मार्ग की ओर ले जा रही है। देखा गया है कि नशीले पदार्थों का सेवन करने वाले युवा कालांतर महंगा नशा जुटाने के लिये अपराध की दुनिया में उतर जाते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि पंजाब व देश के अन्य भागों में हर साल हजारों युवा नशे की ओवरडोज से मौत की गिरफ्त में आ जाते हैं। ऐसे में देश के भविष्य को बचाने के लिये हमें राष्ट्रीय स्तर पर अतिरिक्त सुरक्षा उपाय करने होंगे। पिछले वर्ष पंजाब में ड्रोन के जरिये नशीले पदार्थ भारत लाये जाने के तमाम मामले प्रकाश में आए। कई ड्रोन मार गिराये गए और भारी मात्रा में नशीले पदार्थ व हथियार भी बरामद किये गए। इन हालात में सुरक्षातंत्र को मजबूत करने, नशा मुक्ति अभियान चलाने व नशेड़ियों के पुनर्वास के लिये गंभीर प्रयास करने की जरूरत है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

गर्मी में सेहत के लिए घरेलू नुस्खे

1. ठंडा पानी फ्रिज का नहीं होना चाहिए। फ्रिज में रखा पानी पीने से गले के रोग अपच, मोटापा, टॉन्सिल्स में दर्द तथा मन्दाग्नि/भूख कम लगना आदि समस्याएं उत्पन्न होती हैं।

2. वातानुकूलित भवनों और वाहनों में प्रवेश और निकास के समय जल्दी न करें, थोड़ा रुक कर आएं-जाएं।

3. दिन में एक बार कोई मीठा शरबत या नींबू पानी लेना चाहिए। चुस्ती और फुर्ती के लिए पानी में ग्लूकोज डाल कर पीने से घबराहट भी कम होती है।

4. तेज धूप में आधा घंटे भी रहे हों तो थोड़ा रुक कर शरीर को ठंडा करें ग्लूकोज के साथ द्य शरीर में सोडियम, पोटेशियम और मैग्नीशियम की मात्रा कम हो जाने के कारण चक्कर आ जाते हैं। जीरे की शिकंजी, ठंडाई, कच्चा नारियल और उसका पानी, सौफ, मिश्री, मक्खन आदि सेवन करना हितकारी होता है।

5. सुबह के समय खाली पेट सवा लीटर पानी पीने से डाइबिटीज, दमा, टी. बी. जैसी भयंकर बीमारियां भी नष्ट हो जाती हैं।

6. मीठे और पतले सत्तू का सेवन करना भी हितकारी होता है।

7. रात को सोते समय मीठा दूध घूंट-घूंट करके सेवन करना हितकारी रहता है। दूध में एक दो चम्मच घी डाल कर सेवन करने से कब्ज और पेट में बढ़ी हुई गरमी नष्ट हो जाती है।

8. ग्रीष्मकाल में शाम को भोजन हल्का और सुपाच्य लेना चाहिए।

9. गर्मी में खाली पेट रहना भी खतरनाक है। डाइटिंग या फिर कम खाने वाली लड़कियों को लू लगने का खतरा अधिक रहता है।

10. ग्रीष्म ऋतु में सूर्य की तीखी किरणों से दुर्बलता, उदासीनता, थकान, बेचौनी आदि का अनुभव होता है। इस समय शीघ्र बल प्राप्त करने के लिए इस ऋतु में शीतल, स्निग्ध, मीठा एवं हल्का आहार जैसे-साठी चावल, जौ, मूंग, मसूर आदि का सेवन करना चाहिए।

पुदीना की चटनी से पचेगा भोजन

1. पाचन शक्ति बढ़ाने के लिये धनिया, प्याज, पुदीना की चटनी का सेवन करें द्य इससे खाना जल्दी पचेगा।

2. हरे पत्ते वाली साग सब्जियां जरुर खाएं जैसे लौकी, तुरइ, पके लाल टमाटर, छिलका युक्त आलू, चने की सूखी भाजी, बथुआ, परवल करेला आदि।

3. दोपहर बाद तरबूज, खरबूजा, सन्तरा, हरी नरम ककड़ी, केला आदि कोई भी मौसमी फल जरूर खाना चाहिए।

4. प्याज का सेवन अधिक करें और अपने साथ बाहर भी लेकर जाएं।

5. नमक, तीखा, खट्टा, तेज मिर्च मसाले वाले पदार्थ का त्याग करना चाहिए।

6. हरड़ का सेवन, गुड के साथ समान मात्रा में करने से वात और पित्त का प्रकोप नहीं होता।

7. दहीं में पानी मिलाने से इसमें मठ्ठे के गुण आ जाते है। इसलिए जरा सा पानी, चीनी, नमक या जीरा डाल कर ही दहीं खाएं। रात में दहीं नहीं खाना चाहिए। *साभार: सोशल मीडिया*

आपके किचन की भी टाइल्स पड़ रही है काली, तो इन चीजों का जरूर करें इस्तेमाल, चमकेगा हर एक कोना

खाना बनाते वक्त अधिकतर किचन की टाइल्स गंदी हो जाती है। ऐसे में लाख कोशिश के बाद भी चिपचिपा पन हटता नहीं है। इससे छुटकारा पाने के लिए इन उपाय को जरूर करें।

खाना बनाते वक्त किचन की टाइल्स चिपचिपी होने लगती है। इसे साफ करने के लिए आप कुछ टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

किचन में खाना बनाते वक्त तेल, घी और मसालों की वजह से टाइल्स चिपचिपी हो जाती है।

चिपचिपी टाइल्स को साफ करने के लिए लोग कई प्रयास करते हैं, लेकिन फिर

भी टाइल्स साफ नहीं हो पाती है।

आप भी इन टाइल्स को साफ करने के उपाय खोज रहे हैं, तो ये खबर आपके लिए है।

किचन की टाइल्स को साफ करने के लिए आप बेकिंग सोडा, नमक और विनेगर तीनों को मिलाकर, इसे टाइल्स पर डाल स्क्रबर से साफ करें।

किचन की टाइल्स को साफ करने के लिए शैंपू एक अच्छा ऑप्शन है। आप इसमें नींबू भी मिला सकते हैं।

ध्यान रहे आपके किचन की टाइल्स को एक हफ्ते में दो से तीन बार धोना है, ताकि यह ज्यादा गंदी ना हो।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -85

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

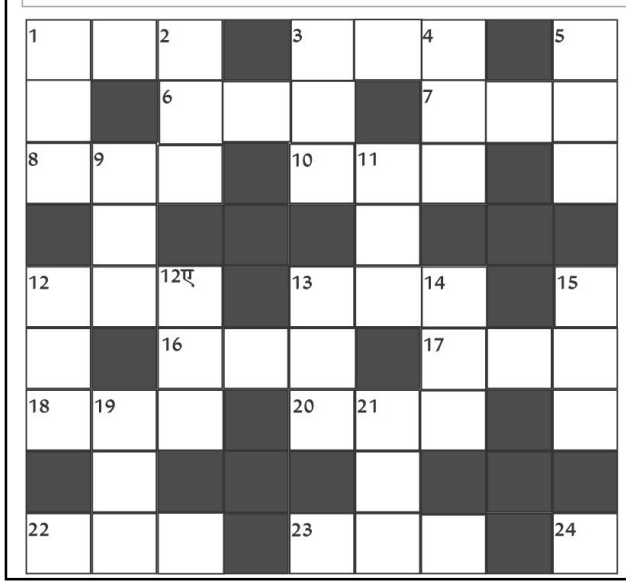

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 84 का हल

प	सं	द		सिं	हा	स	न	
ख		म	ज	दू	र		का	म
वा	द	क		र		सं	ब	ल
ड़		ल	ज्जा		म	स्का		य
	बा			बि	हा	र		
सु	धा	क	र		न			औ
रं		म		कि	ता	ब		स
ग		अ	र	सा		हु	ज्ज	त
	श	क्ल		न	मि	त		न

विजय देवराकोंडा के फैंस को एक और बड़ा तोहफा, हुआ नई पीरियड फिल्म का ऐलान

विजय देवरकोंडा देश के सबसे पॉपुलर एक्टर में से एक हैं। साउथ इंडस्ट्री में तो एक्टर बेहद फेमस हैं ही वहीं बॉलीवुड में भी वे डेब्यू कर चुके हैं। फिलहाल 35वां बर्थडे के मौके पर एक्टर के फैंस को बड़ा तोहफा देते हुए निर्माता दिल राजू ने विजय की अपकमिंग पैन-इंडियन प्रोजेक्ट की भी अनाउंसमेंट कर दी है। बता दें कि विजय देवरकोंडा के बर्थडे पर मेकर्स ने एक दिलचस्प पोस्टर शेयर कर उनके पैन-इंडियन प्रोजेक्ट की अनाउंसमेंट की है। विजय की इस अपकमिंग फिल्म का टेंपरेरी नाम एसवीसी 59 है। देवरकोंडा के नए प्रोजेक्ट के मेकर्स ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक आर्टवर्क पोस्टर शेयर किया है और कैप्शन के साथ लिखा, खून में, वह उठेगा, राज करेगा और हर तरफ सामूहिक लहरों को प्रज्वलित करेगा! एसवीसी 59, देवरकोंडा का मास अवतार। पोस्टर में, विजय के किरदार को फायरी बैकग्राउंड के साथ हाथ में खंजर पकड़े देखा जा सकता है। इस पोस्टर को तेलुगु, तमिल, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ में लॉन्च किया गया है। इस प्रोजेक्ट की बाकी की कास्ट और क्रू के बारे में सारी जानकारी जल्द ही शेयर की जाएगी। वहीं पोस्टर के ऑनलाइन होने के तुरंत बाद, फैंस ने कमेंट सेक्शन में जाकर विजय के नए प्रोजेक्ट के बारे में अपनी खुशी जाहिर की। एक फैन ने लिखा, अनएक्सपेक्टेड एक अन्य ने लिखा, डबल ब्लॉकबस्टर फिल्म विजय अन्ना।बता दें कि विजय देवरकोंडा की इस अपकमिंग एक्शन थ्रिलर का निर्देशन 2019 की ब्लॉकबस्टर राजा वरू रानी गारू फेम निर्देशक रवि किरण कोला ने किया है। विजय देवरकोंडा को आखिरी बार परसुराम पेटला के फैमिली ड्रामा 'फैमिली स्टार' में देखा गया था। फिल्म में विजय के साथ मृणाल ठाकुर ने लीड रोल प्ले किया था।

सलमान खान की सिकंदर में हुई रश्मिका मंदाना की एंट्री

सलमान खान की आने वाली फिल्म सिकंदर के लिए साउथ सिनेमा की सुपरहिट एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना को चुना गया है। रश्मिका ने सोशल मीडिया पर सलमान खान समेत फिल्म मेकर के साख एक फोटो शेयर कर इसकी पुष्टि की है। एआर मुर्गादोस की निर्देशित और साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित यह फिल्म ईद 2025 पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। श्रीवल्ली सलमान खान की अगली सिकंदर के कलाकारों में शामिल हो गई हैं। नाडियाडवाला पोते और वर्दा खान एस नाडियाडवाला ने रश्मिका मंदाना को अपने टीम में शामिल करते हुए इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा किया है और उसे एक्ट्रेस को टैग किया है। इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा है, सिकंदर में सलमान खान के साथ अभिनय करने के लिए शानदार रश्मिका मंदाना का स्वागत। ईद 2025 पर उनके ऑन-स्क्रीन जादू के दिखाने का इंतजार नहीं कर सकते।

मेकर्स की ओर साझा किए गए पोस्ट को रश्मिका ने अपने इंस्टाग्राम पर लिया है और कैप्शन में लिखा है, आप लोग काफी समय से मुझसे अगला अपडेट पूछ रहे हैं और यह यहां है।। सरप्राइज। मैं सिकंदर का हिस्सा बनकर वास्तव में आभारी और सम्मानित महसूस कर रही हूं। यह 2025 में ईद के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सलमान खान ने इस साल ईद पर अपने अगले प्रोजेक्ट सिकंदर का एलान किया था। फिल्म की शूटिंग शूरू हो गई है। सेट से सलमान खान की एक तस्वीर भी सामने आई है। फोटो में सुपरस्टार को सेट पर एक लडक़ी के साथ पोज देते हुए देखा जा सकता है।

थियेटर के बाद सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म योद्धा ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दी दस्तक

अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म योद्धा को इसी साल 15 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था।लगभग 55 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 32।45 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया था।अब योद्धा ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक दे चुकी है।ऐसे में जो दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वह अब इसे घर बैठे आराम से ओटीटी पर देख सकते हैं। योद्धा का निर्देशन सागर अम्ब्रे और पुष्कर ओझा ने किया है। फिल्म की कहानी सागर अम्ब्रे ने लिखी है।हीरू यश जौहर, करण जौहर, अपूर्व मेहता और शशांक खेतान इस फिल्म के निर्माता हैं।योद्धा में सिद्धार्थ की जोड़ी पहली बार राशि खन्ना के साथ बनी है। दिशा पाटनी ने भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तडक़ा लगाया है।योद्धा धर्मा प्रोडक्शंस की पहली एरियल एक्शन फ्रैंचाइजी है, जिसकी कहानी एक प्लेन हाइजैक पर आधारित है। रोमांचक एक्शन-ड्रामा का निर्देशन सागर अंब्रे और पुष्कर ओझा की नवोदित निर्देशक जोड़ी द्वारा किया गया है। वहीं मेंटर डिसिप्लिन एंटरटेनमेंट के एसोसिएशन से प्राइम वीडियो और धर्मा प्रोडक्शन द्वारा प्रेजेंट ये फिल्म हीरू यश जौहर, करण जौहर, अपूर्व मेहता और शशांक खेतान ने प्रोड्यूस की गई है योद्धा एक फौजी, अरुण कात्याल (सिद्धार्थ मल्होत्रा द्वारा अभिनीत) की कहानी है। अरुण एक स्पेशल टास्क फोर्स को लीड करता है। उस पर उन सिचुएशन और मिशन को संभालने की जिम्मेदारी होती है जिन्हें कोई और हैंडल नहीं कर पाता है। हालांकि जब उसका एक मिशन बुरी तरह से गलत हो जाता है, तो सारा दोष अरुण पर मढ़ दिया जाता है, और उसे ड्यूटी से हटा दिया जाता है। फिल्म में टर्निंग पॉइंट तब आता जब अरुण सालों बाद एक फ्लाइल से ट्रैवल कर रहा होता है लेकिन वो फ्लाइट हाईजैक हो जाती है अब अरुण कैसे यात्रियों को आतंकियों से बचाएगा?

खतरों के खिलाड़ी में भाग लेती नजर आएंगी कृष्णा श्रॉफ

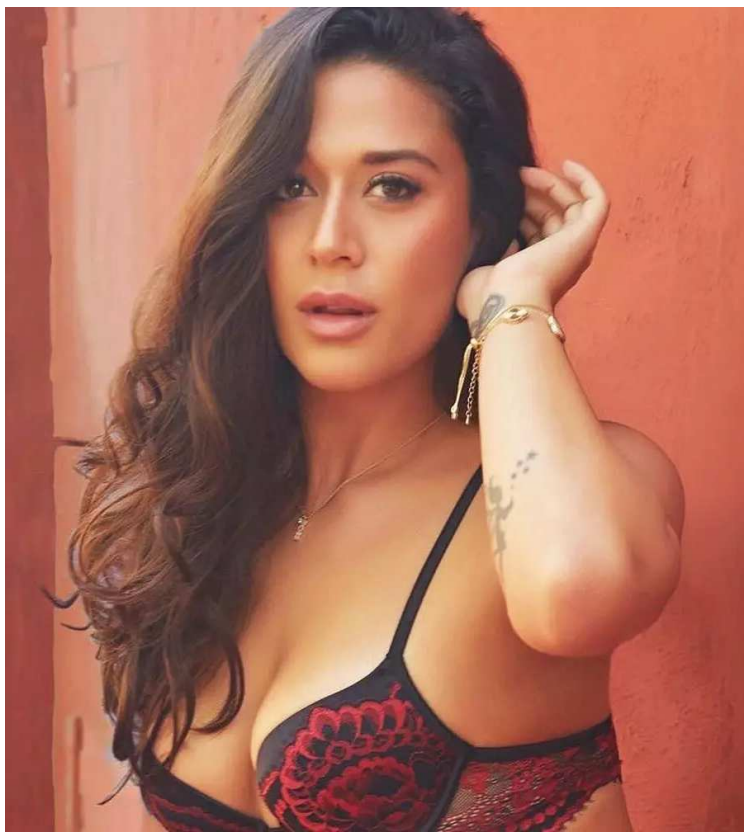

रोहित शेट्टी का स्टंट आधारित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी इस वक्त चर्चा में बना हुआ है। खतरों के खिलाड़ी एक्शन और रोमांच से भरपूर होता है। इस शो के लिए नए-नए प्रतियोगियों के नाम सामने आ रहे हैं। इसी बीच खबर आ रही है कि टाइगर श्रॉफ की बहन कृष्णा श्रॉफ अब फिल्मों और ओटीटी की बजाय सीधा टीवी से डेब्यू करने जा रही है। खबर है कि कृष्णा श्रॉफ खतरों के खिलाड़ी 14 में खतरों से खेलती हुई दिखाई देंगी। हमेशा की तरह इस बार भी यह शो रोमांच का पूरा वादा करता है और दर्शकों को सीट से बांधे रखेगा।

कृष्णा श्रॉफ की बात करें तो भाई टाइगर श्रॉफ की तरह वह भी फिटनेस की दीवानी हैं। कृष्णा श्रॉफ ने हाल ही में इस शो में आने की पुष्टि की है। कृष्णा ने एक बयान में कहा है, 'वह रोहित शेट्टी के स्टंट-आधारित रियलिटी शो में हिस्सा लेंगी। टाइगर श्रॉफ की बहन ने उल्लेख किया कि उन्हें हमेशा खुद को चुनौती देना पसंद है और खतरों के खिलाड़ी 14 से बेहतर अवसर क्या हो सकता है, जहां मैं अपनी मानसिक और शारीरिक ताकत बढ़ा पाऊंगी'। कृष्णा की प्रोफाइल पर एक नजर डालें तो वह भी अपने भाई की तरह फिटनेस फ्रीक हैं, ऐसे में वह निश्चित रूप से खतरों के खिलाड़ी 14 के लिए एक परफेक्ट ऑप्शन हैं। कृष्णा इस शो में सभी के लिए एक कठिन प्रतियोगी साबित हो सकती हैं। इस बार शो में सभी फीमेल कंटेस्टेंट की नजर कृष्णा पर जरूर होगी। कृष्णा के साथ-साथ इस शो में आसिम रियाज की भी एंट्री होने वाली है। यह भी कहा जा रहा है कि आसिम ने इस शो के लिए पूरी तरह से तैयारी शुरू कर दी है। रिपोर्ट की मानें तो रोहित शेट्टी के टीवी शो खतरों के खिलाड़ी 14 की शूटिंग रोमानिया में होगी। इससे पहले शूट लोकेशन को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही थीं, जबकि कुछ रिपोर्टों ने सुझाव दिया कि शूटिंग या तो बुल्गारिया या केप टाउन में होगी। वहीं कुछ लोगों का कहना था कि टीम थाईलैंड या जॉर्जिया में अपने शो की शूटिंग के लिए अधिक उत्सुक है। नए अपडेट के अनुसार अब शो की शूटिंग रोमानिया में होगी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो 'खतरों के खिलाड़ी 14' में सुमोना चक्रवर्ती, धनश्री वर्मा, शोएब इब्राहिम, अभिषेक मल्हान, श्रीराम चंद्रा, मनीषा रानी, जिया शंकर और अन्य कई लोग शामिल हो सकते हैं।

श्वेता तिवारी ने क्रॉप टॉप पहन समंदर किनारे दिए किलर पोज

एक्ट्रेस श्वेता तिवारी टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेसेस में से एक हैं। 43 की उम्र में भी एक्ट्रेस अपने ग्लैमरस लुक्स से कायल करती हैं। श्वेता का स्टाइलिश अंदाज फैंस को काफी पसंद आता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने हॉलिडे से फोटोज शेयर की थी, जो कि सोशल मीडिया पर वायरल रहती हैं।

श्वेता तिवारी अपने बोल्ड अंदाज से सरप्राइज करने का मौका नहीं छोड़ती हैं। एक बार तो एक्ट्रेस को नेशनल टीवी पर बिकिनी में नहाते हुए भी देखा गया था।

श्वेता को 2009 में रियलिटी शो इस जंगल से मुझे बचाओ में देखा गया था। इस शो में स्टार्स को जंगल में रहना था। उस वक्त एक्ट्रेस को बिकिनी पहने नहाते हुए देखा गया था। उन्हें पर्पल कलर की बिकिनी में देखा गया था। हालांकि, श्वेता को अपने इस एक्ट की वजह से काफी ट्रोलिंग झेलनी पड़ी थी। श्वेता विवादों में पड़ गई थीं।

बता दें कि हाल ही में श्वेता ने अपने हॉलिडे से कई फोटोज शेयर किए थे। फोटोज में वो समंदर किनारे खड़े होकर पोज देती नजर आईं। उन्होंने व्हाइट ब्रालेट और ब्लैक शॉर्ट्स पहना हुआ था। ब्लैक शेड्स और ओपन हेयर में श्वेता काफी ग्लैमरस लग रही थीं। उनका अंदाज फैंस को काफी पसंद आया था।

श्वेता इन दिनों अपनी फिटनेस पर फोकस कर रही हैं। उन्होंने काफी वजन भी कम किया है। श्वेता ने बताया था कि फिटनेस को लेकर उनकी बेटी पलक ने उन्हें इंस्पायर किया था।

वर्क फ्रंट पर श्वेता तिवारी को शो कसौटी जिंदगी से नेम-फेम मिला था। इस शो ने उन्हें रातोरात स्टार बना दिया था। श्वेता को रियलिटी शो बिग बॉस और इस जंगल से बचाओ, खतरों के खिलाड़ी जैसे शोज में भी देखा गया। वो बिग बॉस की विनर भी बनी थीं। वो बालवीर, मेरे डैड की दुल्हन, मैं हूं अपराजिता, परवरिश, नागिन जैसे शोज में नजर आ चुकी हैं। उनकी बेटी पलक तिवारी भी ग्लैमर वर्ल्ड में एंट्री ले चुकी है। वो सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी जान में नजर आई थीं।

संकीर्णता का कड़वापन

किरन कुमार

भोजन की घर पहुंच सेवा यानी ऑनलाइन फूड डिलीवर करने वाली कंपनी जोमैटो के हाल में लिए फैसले से देश में शाकाहार और मांसाहार को लेकर नयी बहस छिड़ गई है। दरअसल पिछले दिनों ज़ोमैटो के सह-संस्थापक और सीईओ दीपेन्द्र गोयल ने ऐलान किया कि 100 फ़ीसदी शाकाहारी खाना पसंद करने वाले अपने ग्राहकों के लिए जोमैटो %शुद्ध शाकाहारी' डिलिवरी की सुविधा लॉन्च कर रही है। इसे उन्होंने %शुद्ध शाकाहारी मोड' बताते हुए कहा था कि इसमें वेजिटेरियन खाना ऑर्डर करने वालों को ऐप पर केवल शुद्ध शाकाहारी रेस्त्रां दिखेंगे और उन्हें नॉन-वेज खाना देने वाले रेस्त्रां नहीं दिखेंगे।

दीपेन्द्र गोयल ने कहा था कि हमारे शुद्ध शाकाहारी राइडरों की टोली शुद्ध शाकाहारी रेस्त्रां से खाना लेकर ग्राहकों तक पहुंचाएगी। इसके लिए हरे रंग के डिब्बे होंगे। शुद्ध वेजिटेरियन खाना और नॉन-वेजिटेरियन खाना कभी एक ही बक्से में नहीं पहुंचाया जाएगा। इतना ही नहीं खाना पहुंचाने वाले कर्मी यानी जोमैटो के डिलिवरी पार्टनर को हरे रंग की पोशाक देने का फैसला भी लिया गया था, लेकिन सोशल मीडिया पर शुरु हुए विरोध को देखते हुए यह फैसला रद्द कर दिया गया। दीपेन्द्र गोयल ने कहा कि वेजिटेरियन खाने की डिलिवरी करने वाले अपने राइडरों की टोली को हम बरक़रार रखेंगे लेकिन उन्हें दूसरों से अलग करने वाले हरे रंग की ड्रेस का इस्तेमाल नहीं करेंगे। हमारे नियमित राइडर और शाकाहारी डिलिवरी वाले राइडर लाल रंग के ही कपड़े पहनेंगे।

जोमैटो अपने कर्मियों को किस रंग की पोशाक देता है या अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए कौन से फैसला लेता है, यह उसके अधिकार क्षेत्र का मामला है। लेकिन जब इन फैसलों से भारत की गंगा-जमुनी तहजीब पर सवाल उठने लगते हैं, तो फिर ऐसे मुद्दों पर व्यापक विमर्श की दरकार होती है। जोमैटो ने आम बोलचाल में प्रचलित शुद्ध शाकाहारी शब्द का ही इस्तेमाल अपनी नयी पहल में किया है। लेकिन इस पर कंपनी को ध्यान देना चाहिए था कि शुद्धता पर केवल शाकाहार का ही अधिकार नहीं है। बल्कि इंसानियत की गरिमा इसी में है कि हर किस्म का भोजन शुद्ध रहे और अशुद्धता किसी के हिस्से में नहीं आए। इसी तरह शाकाहार और मांसाहार की सूचना देने के लिए भोजन के पैकेट पर लाल और हरे बिंदु का होना तो ठीक है, लेकिन यह पृथक्करण कर्मियों की पोशाकों में कतई नहीं होना चाहिए। क्योंकि इससे उन कर्मियों के साथ भेदभाव बढ़ने की गुंजाइश रहेगी। जोमैटो ने पोशाक न बदलने का फैसला लेकर ठीक ही किया है।

गौरतलब है कि पिछले कुछ वर्षों में देश में भोजन ने जोड़ने की जगह धार्मिक विभेद को बढ़ाने का काम किया है। घर के फ्रिज में गौ मांस रखे होने के संदेह में अखलाक नामक शख्स की भीड़ ने जिस तरह पीट-पीट कर हत्या कर दी थी, वह समाज में बढ़ते भेदभाव की बड़ी चेतावनी थी। लेकिन उस घटना से कोई सबक नहीं लिया गया और धीरे-धीरे मांसाहार और शाकाहार को लेकर झगड़े बढ़ते गए। कभी हिंदुओं के त्योहारों के वक्त मांस की बिक्री रोकी गई, कभी मंदिरों के आसपास मांस की दुकानें हटाई गईं और कभी सड़क पर मांसाहार बेचने वाले ठेलों को निशाने पर लिया गया। भोजन में धर्मांधता तब भी नजर आई, जब भोजन पहुंचाने वाला विजातीय निकला तो उसकी शिकायत की गई। जोमैटो के साथ भी ऐसा प्रकरण हो चुका है। कुछ वक्त पहले ज़ोमैटो से किसी ने ख़ास धर्म के ही डिलिवरी पार्टनर को भेजने का अनुरोध किया था तब दीपेन्द्र गोयल ने कहा था कि भोजन का मज़हब नहीं होता है। लेकिन अब वही जोमैटो शुद्ध शाकाहारी भोजन पहुंचाने की अलग से व्यवस्था कर रहा है।

देश में जिस तरह हिंदुओं को जगाने का आह्वान लगातार किया जा रहा है और शाकाहार को भोजन की शुद्धता का नया पैमाना बना दिया गया है, उसमें जोमैटो कीइस पहल का स्वागत होना स्वाभाविक है। हालांकि लोगों को यह भी याद रखना चाहिए कि भारत में विशुद्ध शाकाहारी भोजन जैसी कोई परंपरा, संस्कृति या इतिहास नहीं रहा है। बल्कि मांसाहार का चलन हिंदू धर्म में भी खासा प्रचलित है। सवर्ण तबकों से लेकर निचली कही जाने वाली जातियों तक मांसाहार की परंपरा कायम है। मिथिलांचल, कश्मीर, बंगाल, ओडिशा, झारखंड, उत्तराखंड, असम, महाराष्ट्र, गोवा से लेकर समुद्र तटीय इलाकों के लगभग सारे ब्राह्मण मांसाहारी हैं। कुछ इलाकों में पूजा के वक्त बकरे की बलि भी दी जाती है। जब इसे परंपरा का हिस्सा माना जाता है तो फिर मांसाहार को हेय दृष्टि से देखने और शाकाहार को शुद्ध कहने का कोई तार्किक आधार नहीं रह जाता है। फिर भी अब भारत में आहार की आदतें भी राजनीति का विषय बन चुकी हैं। इसी राजनीति के चलते आहार के नाम पर जातीय श्रेष्ठता के दिखावे के मौके भी बढ़ रहे हैं। इस गलत चलन को रोकने के लिए समाज में जागरुक प्रयासों की आवश्यकता है, लेकिन फिलहाल यह चलन बढ़ रहा है।

कुछ समय पहले इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति की पत्नी और अब राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति का एक बयान आया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि मैं जब भी यात्रा पर जाती हूं अपने साथ बैग में खाना भरकर ले जाती हूं और उनका सबसे बड़ा डर ये होता है कि चम्मच का इस्तेमाल शाकाहारी और मांसाहारी दोनों तरह के भोजन में कहीं न किया गया हो। इस बयान को लेकर भी विवाद हुआ था क्योंकि इसमें बहुत से लोगों को जातीय दंभ नजर आया। कई लोगों ने सुधा मूर्ति के दामाद ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की तस्वीर शेयर की, जिसमें वो मांस रखी हुई प्लेट को पकड़े हुए हैं।

सुधा मूर्ति ने भले यह बयान अपनी निजी आदत को बताने के लिए दिया हो, लेकिन यह विचारणीय है कि जब आप सार्वजनिक जीवन में होते हैं, तो आपके व्यवहार का असर व्यापक होता है। गांधीजी ने आहार को लेकर कई तरह के प्रयोग जीवन भर किए। उन्होंने मांसाहार को अपने लिए कभी सहज नहीं माना, लेकिन उनकी बातों या व्यवहार में कहीं भी मांसाहार करने वालों के लिए निकृष्टता का भाव नहीं रहा। आज जब भारत में भोजन की विविधता पहले से कहीं अधिक बढ़ चुकी है। पारंपरिक व्यंजनों के साथ-साथ विदेशी पकवानों का आस्वाद हमारी रसोई में जुड़ चुका है, तब संकीर्णता के कड़वेपन को बाहर करने की जरूरत कहीं अधिक महसूस हो रही है। उम्मीद है जोमैटो इस पर ध्यान देगा।

सू- दोकू क्र. 85

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.84 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

भ्रामक प्रचार से बाज आना चाहिए

देश में हिंदुओं की आबादी में कमी आ रही है। धार्मिक अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी- राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण (1950-2015) दस्तावेज में प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद ने खुलासा किया है।

इसमें हिन्दू आबादी के 7.82 फीसद कम होने के साथ मुसलमानों की 43.15 फीसद बढने की बात की गई है। सिखों की आबादी 1.24 फीसद से बढकर 1.85 फीसद तथा इसाइयों की 2.24 फीसद से बढ कर 2.36 फीसद हो गई है। इस रिपोर्ट के अनुसार बौद्ध भी बढ़े हैं, जबकि जैन व पारसियों की संख्या घटी है।

यूं तो जनसंख्या के आंकड़े जनगणना के माध्यम से आते हैं। जो 2011 के बाद से नहीं हो सकी है। जनगणना 2021 में प्रस्तावित थी, जो करोना महामारी के कारण स्थगित कर दी गई थी। इस अध्ययन में बहुसंख्यक व अल्पसंख्यक आबादी में आए उतार-चढाव के अंतरराष्ट्रीय रुझान का पता लगाने के लिए 167 देश शामिल थे, जिसके मुताबिक भारतीय उपमहाद्वीप में मुस्लिम आबादी की बढ़ोत्तरी सबसे ज्यादा हुई।

जबकि बांग्लादेश में 10 फीसद व पाकिस्तान में 10 फीसद मुसलमानों की आबादी में बढ़त देखी गई। देश में मौजूदा वक्त में लोक सभा चुनाव चल रहे हैं, जिसमें सत्ताधारी दल पहले ही धार्मिक आधार पर बयानबाजियां करने और समाज में दरारें पैदा करने में हिचक नहीं रहा है। ऐसे में इस रिपोर्ट का प्रचार खास समुदाय को निशाना बनाने में सहायक साबित हो सकता है। विपक्ष भी इसे चुनावी चाल कह आरएसएस का एजेंडा चलाने का आरोप लगा रहा है।

वास्तव में हम धर्मनिरपेक्ष देश हैं, जिसमें सभी धर्मो का बराबर सम्मान किया जाना और उनके साथ सहिष्णुता बरतना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। मुसलमानों की आबादी बढने के कारणों में यूं तो उनकी चार शादियां, धर्मांतरण व घुसपैठ को दोषी ठहराया जा रहा है, जबकि इसके पीछे अशिक्षा व जागरूकता की कमी अधिक है।

विशेष समुदाय पर देश की जनसांख्यिकी बदलने के प्रयासों का आरोप मढना कतई उचित नहीं ठहराया जा सकता। इस हकीकत को झुठलाया नहीं जा सकता कि दुनिया भर में मुसलमानों की आबादी सबसे तेजी से बढ़ रही है। बीते सौ वर्षो में वे 12.5 फीसद से बढकर 22.5 फीसद हो चुके हैं।

इसलिए केवल भारत में मुसलमानों की बढ़ती जनसंख्या के लिए भ्रामक प्रचार से बाज आना चाहिए। साथ ही उन्हें जागरूक करने और सेहत संबंधी फायदों के विषय में आगाह करने के प्रयास करने चाहिए। (आरएनएस)

निष्पक्षता दर्शाने के भी प्रयास

पिछले दिनों सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के आरोप में कनाडा पुलिस ने तीन भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार करने का दावा किया है।

रॉयल कनाडियन माउंटेड पुलिस ने कहा है कि वे निज्जर की हत्या में भारत सरकार की संलिप्तता की जांच कर रहे हैं। 45 वर्षीय निज्जर की पिछले वर्ष कनाडा में नकाबपोश बंदूकधारियों द्वारा गुरुद्वारे के बाहर गोली मार कर हत्या कर दी गई थी जिससे भारत और कनाडा के दरम्यान राजनयिक विवाद पैदा हो गया।

पुलिस का कहना है कि जांच अभी जारी है तथा उनके पास प्रमाण हैं, और इस मामले में भारत सरकार के तार जुड़े होने की बाबत इन्हें खंगाला जा रहा है। वैसे कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो पहले ही भारत के खिलाफ पर्याप्त सबूत होने की बात कर चुके हैं।

हालांकि भारतीय अधिकारियों ने इन आरापों का सिरे से खंडन किया था। साथ ही, कनाडा पर खालिस्तानी आतंकियों और चरमपंथियों को पनाह देने की भी बात कनाडा के समक्ष उठाई थी। गौरतलब है कि निज्जर भारत सरकार द्वारा पहले ही आतंकवादी घोषित किया जा चुका था जो ऐसे चरमपंथी अलगाव समूह का नेतृत्व कर रहा था, जो अलग खालिस्तान की मांग करता है। इस जांच में भारतीय अधिकारियों को शामिल कर कनाडाई सरकार ने अपनी निष्पक्षता दर्शाने के भी प्रयास किए हैं।

कनाडा ही नहीं, बल्कि अमेरिका और इंग्लैंड जैसे देशों में रहने वाले सिखों में भी खालिस्तान के मुखर समर्थक हैं। भारत सरकार सिख अलगाववादी आंदोलन की इस चिंगारी के भडक़ने को भारत के घरेलू मामलों में हस्तक्षेप बताती रही है।

इससे पहले भी ब्रिटेन में अवतार सिंह खांडा की रहस्यमय मौत और लाहौर में परमजीत सिंह पंजवाड की गोली मार कर की गई हत्या पर भारत सरकार पर संदेह किया गया था। कोई भी सरकार अपनी अखंडता, सुरक्षा और आंतरिक मामलों में बाहर का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं कर सकती। बहरहाल, जांच जारी है, इसलिए अभी अंतिम निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी।

खासकर इस वक्त जब देश में लोक सभा के चुनाव चालू हैं, इस तरह के विवादों से समुदाय विशेष को प्रभावित करने की आशंका भी निराधार नहीं कही जा सकती। हालांकि मोदी सरकार वैश्विक पटल पर देश की छवि को लेकर न केवल सावधान रहती है, बल्कि कड़े संदेश देने में भी कदम पीछे नहीं खींचती। चरमपथियों/आतंकवादियों को लेकर किसी भी तरह की मुलायमियत देश की सुरक्षा के लिए उचित नहीं ठहराई जा सकती। (आरएनएस)

आईपीएल मैच में सट्टा लगाता एक गिरफ्तार, 30 हजार बरामद

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। आईपीएल मैच में सट्टा लगाते एक सटोरियों को एसओजी व पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है जिसके कब्जे से 30 हजार रूपये की नगदी व सट्टा पर्ची बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज एसओजी व थाना बेरीनाग पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में एक सटोरिया सार्वजनिक स्थल पर आईपीएल मैचों में सट्टे का कारोबार कर रहा हैं सूचना पर कार्यवाही करते हुए एसओजी व पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा बताये गये स्थान कोटमन्या बाजार क्षेत्र में कार्यवाही करते हुए एक व्यक्ति दिनेश सिंह कठायत पुत्र स्व. रतन सिंह निवासी बना थाना बेरीनाग जिला पिथौरागढ़ को गिरफ्तार कर लिया गया। जिसके कब्जे से 30 हजार रूपये की नगदी व सट्टा पर्ची बरामद की गयी है।

पत्नी व बेटी पर मारपीट का आरोप

संवाददाता

देहरादून। पत्नी व बेटी पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इन्द्रानगर निवासी महेश गौड ने बसंत विहार थाने में अपनी पत्नी अंजू गौड व पुत्री दक्षिता गौड पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया। वहीं अंजू गौड ने भी महेश गौड के खिलाफ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन सीज कर दिये।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने चैकिंग के दौरान गढी श्यामपुर में एक मोटरसाईकिल सवार को रूकने का इशारा किया तो पुलिस को देख वह भाग खडे हुए। पुलिस ने पीछा कर उनको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 102 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम अजय राठौर पुत्र सतपाल राठौर निवासी बिशनपुर पथरी हरिद्वार बताया। वहीं ऋषिकेश पुलिस ने खण्ड गांव के पास से एक मोटरसाईकिल सवार को 90 पव्वे शराब के साथ गिरफ्तार किया। जिसने अपना नाम अनिल कुमार पुत्र ज्ञान सिंह निवासी ग्राम टांडा राधणवाला कलियर हरिद्वार बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन सीज कर दिये।

जानकीचट्टी में करंट लगने से घोड़े की मौत

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। यमुनोत्री धाम के आखिरी पड़ाव जानकीचट्टी में आज करंट लगने से एक घोड़े की मौत हो गई। घोड़ा-खच्चर संचालकों ने उर्जा निगम पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। साथ ही घोड़े के मालिक के लिए मुआवजे की भी मांग की। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने आश्वासन दिया कि उचित कार्रवाई कर प्रभावित पक्ष को मुआवजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा। जिसके बाद मामला शांत हुआ। बताया जा रहा है कि जहां घोड़े खच्चर खड़े होते हैं वहां पर खंभे में करंट आ रहा था। एक घोड़ा खंभे के पास ही खड़ा था और वह उसकी चपेट में आ गया। गनीमत रही कि भीड़भाड़ वाले इस क्षेत्र में कोई और जानवर या श्रद्धालु करंट की चपेट में नहीं आएं।

निपट गया लोकसभा का 80 फीसदी.. ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

लोगों से अधिक से अधिक मतदान करने की अपील भी की है। यूपी के ललितपुर मतदान केंद्र पर आज यहां भी एक नया रिकॉर्ड बना जहां 1 तक 100 फीसदी मतदान हुआ वहीं कुछ पोलिंग बूथ पर ईवीएम खराब होने और मतदान बाधित होने की भी खबरें आई है।

जीप खाई में गिरी, कैफे संचालक दो... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

दिल्ली, युवराज बिष्ट पुत्र केओ बिष्ट निवासी कालीदास रोड व ईशा पुत्री राकेश चंद्र निवासी गढवाली मार्ग धर्मपुर के रूप में हुई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बालक,बालिका आश्रम पद्धति विद्यालय के टॉपर्स हुए सम्मानित

संवाददाता

धारचूला। बालक, बालिका आश्रम पद्धति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के टॉपर्स विद्यार्थियों को जिला पंचायत सदस्य पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया गया।

आज यहां राजकीय बालिका आश्रम पद्धति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छारछुम तथा राजकीय बालक आश्रम पद्धति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलुवाकोट के टॉपर्स छात्रों को जिला पंचायत सदस्य पुरस्कार 2023 देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर दोनों विद्यालयों की गतिविधियों तथा संचालन व्यवस्था को भी देखा गया। सामुदायिक पुस्तकालय की अवधारणा पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के साथ बातचीत की गई। सामुदायिक पुस्तकालय तथा संडे क्लास की अवधारणा को आम विद्यार्थियों शिक्षकों एवं अभिभावकों तक पहुंचने के लिए पुस्तकालय टीम के द्वारा धारचूला नगर क्षेत्र में अभियान शुरू किया गया है। इसी क्रम में राजकीय बालिका आश्रम पद्धति माध्यमिक विद्यालय छारछुम के में 83 प्रतिशत अंक के साथ कक्षा एक की टॉपर कुमारी सुमन, 85 प्रतिशत अंक के साथ कक्षा 2 के टॉपर कुमारी कोमल, 90 प्रतिशत अंक के साथ कक्षा तीन की टॉपर कुमारी श्रेष्ठी, 84 प्रतिशत अंक के साथ कक्षा चार की टॉपर कुमारी परी, 81 प्रतिशत अंक के साथ कक्षा 5 की टॉपर कुमारी रिया, 74 प्रतिशत अंक के साथ कक्षा 6 की टॉपर कुमारी प्रियंका, 86 प्रतिशत अंक के साथ कक्षा 7 की टॉपर कुमारी धानी, 81 अंक के साथ कक्षा 8 की टॉपर कुमारी भगवती, 63 प्रतिशत अंक के साथ कक्षा 9 की टॉपर कुमारी पूनम, 74 प्रतिशत अंक के साथ कक्षा 10 की टॉपर कुमारी दिव्या को जिला पंचायत सदस्य पुरस्कार के रूप में प्रशस्ति पत्र तथा डिक्शनरी भेंट किया गया। इसी क्रम में राजकीय आश्रम पद्धति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलुवाकोट में 91 प्रतिशत अंक के साथ कक्षा एक के टॉपर सौरभ कुमार 88 प्रतिशत अंक के साथ कक्षा 2 के टॉपर पारस सिंह, 81 प्रतिशत अंक के साथ कक्षा चार के टॉपर नितेश बुदियाल, 86 प्रतिशत अंक के साथ कक्षा 5 के टॉपर रमेश सिंह, 73 प्रतिशत अंक के साथ कक्षा 6 के टॉपर महेंद्र सिंह, 71 प्रतिशत अंक के साथ कक्षा 7 के टॉपर अभय कुमार, 71 प्रतिशत अंक के साथ कक्षा 8 के टॉपर आदेश वर्मा, 68 प्रतिशत अंक के साथ कक्षा 9 के टॉपर अर्जुन कुमार, 69 प्रतिशत के साथ कक्षा 10 के टॉपर साहिल सिंह को भी जिला पंचायत सदस्य पुरस्कार के रूप में प्रशस्ति पत्र तथा डिक्शनरी भेंट किया गया।

❑विद्यार्थियों को मिला जिला पंचायत सदस्य पुरस्कार 2023

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि अनुसूचित जाति तथा जनजाति समुदाय के इन छात्रों के इन आवासीय विद्यालयों की समस्याओं के समाधान के लिए शीघ्र ही मुख्यमंत्री से मुलाकात की जाएगी। उन्होंने कहा कि इन विद्यालयों में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों को चलाने के लिए भी सरकार से बातचीत की जाएगी।

दो नशा तस्कर गिरफ्तार, 20 नशीले इंजेक्शन बरामद

हमारे संवाददाता

नैनीताल। नशा तस्करी में लिप्त दो लोगों को ए.एन.टी.एफ. नैनीताल तथा हल्द्वानी पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है। जिनके कब्जे से 20 नशीले इंजेक्शन भी बरामद किये गये है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज एएनटीएफ टीम व कोतवाली हल्द्वानी पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर नशीले पदार्थो की सप्लाई हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एएनटीएफ टीम व कोतवाली हल्द्वानी पुलिस द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया गया।

इस दौरान संयुक्त टीम को मंडी चौकी क्षेत्र में हौंडा शोरुम से बाई पास वाली रोड पर दो संदिग्ध आते हुए दिखायी दिये। टीम द्वारा जब उन्हे रूकने का इशारा किया गया तो वह सकपका कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर रोका गया। तलाशी के दौरान उनके पास से 20 नशीले इंजेक्शन बरामद हुए। पूछताछ में उन्होने अपना नाम माजिद अली पुत्र युनुस शाह निवासी उत्तर उजाला वार्ड नंबर 29 वनभुलपुरा व फिरोज अहमद पुत्र जहीर अहमद निवासी मोहम्मदी चौक इंद्रानगर वनभुलपुरा बताया। बताया कि वह लोग नशे के आदी है और नशे के इंजेक्शन लगाते हैं तथा अपने नशे की लत को पूरा करने के लिए इन इंजेक्शनों को बेचते भी है।

बहरहाल पुलिस ने उनके खिलाफ सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया है।

गंगोत्री व यमुनोत्री धाम में यात्री सुविधाओं को चाक चौबन्द करने में जुटा है प्रशासन

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। गंगोत्री एवं यमुनोत्री धाम में तीर्थयात्रियों का आवागमन सुव्यस्थित एंव सुचारू ढंग से जारी है। आज दोपहर 12 बजे तक गंगोत्री धाम में 6000 तथा यमुनोत्री धाम में भी लगभग 6000 तीर्थयात्री दर्शन कर चुके थे। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए प्रशासन यात्री सुविधाओं को चाक-चौबंद बनाए रखने तथा अतिरिक्त सुविधाओं को जुटाने में निरंतर जुटा हुआ है।

जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने यात्रियों के रिकार्ड संख्या में आगमन को देखते हुए अधिकारियो को निरंतर जुटे रहने की हिदायत दी गयी है। उन्होने कहा है कि यमुनोत्री पैदल मार्ग की व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाय। जिलाधिकारी ने यात्रियों की सुविधा व सुरक्षा को देखते हुए है कि यमुनोत्री पैदल मार्ग पर रोटेशन के आधार पर तय संख्या में ही घोड़े-खच्चर एवं डंडी का आवागमन सुनिश्चित कराने के भी निर्देश जारी किए हैं।

यमुनोत्री क्षेत्र के सुपर जोनल मजिस्ट्रेट अभिषेक त्रिपाठी अधिकारियों ने यमुनोत्री पैदल मार्ग पर यात्रा व्यवस्थाओं को दुरस्त बनाए रखने के लिए यात्री पंजीकरण केन्द्र, सूचना केन्द्र, घोड़ा पड़ाव, मेडीकल रिलीफ पोस्ट का निरीक्षण करने के साथ ही विभिन्न जगहों पर निर्मित पेयजल स्टेंड पोस्ट्स, वाटर एटीएम, एवं टॉयलेट्स का जायजा लिया। यमुनोत्री पैदल मार्ग पर साफ-सफाई को लेकर भी व्यवस्थाएं बढाई गई हैं और गत दिन हुई बारिश के बाद अनेक जगहों पर रास्ते में आयी मिट्टी की सफाई के लिए भी आज विशेष अभियान चलाया गया। यमुनोत्री पैदल मार्ग पर तीन मेडीकल रिलीफ पोस्ट यात्रियों की सहायता के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं और मार्ग पर यात्रियों की चिकित्सा आकस्मिकता की स्थिति में त्वरित सहायता प्रदान करने के लिए 30 फर्स्ट मेडीकल रिस्पांडर्स (एफएमआर) भी तैनात किए गए हैं। इस पैदल मार्ग पर यात्रियों की सुरक्षा व सहायता के लिए पुलिस, होमगार्ड एवं पीआरडी के जवानों के साथ ही एसडीआरएफ एवं एनडीआरएफ के जवानों को भी तैनात किया गया है।

यमुनोत्री पैदल मार्ग पर संचालित होने वाले घोड़े-खच्चरों की स्वास्थ्य जांच व चिकित्सा के लिए जानकीचट्टी में पशु चिकित्सा विभाग की टीम तैनात की गई है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसी भी बीमार या अनफिट अश्ववंश को यात्रा के लिए उपयोग में न लाया जाय। यमुनोत्री पैदल मार्ग पर घोड़े-खच्चरों के लिए उपयुक्त तापमान के पानी की व्यवस्था के लिए छः स्थानों पर गीजर की व्यवस्था की गई है।

एक नजर

नाबालिग से गैंगरेप के बाद भट्ठी में जिंदा जलाने के 2 दोषियों को फांसी की सजा

भीलवाड़ा। राजस्थान में भीलवाड़ा जिले के कोटडी भट्टी कांड में कोर्ट ने दोषी करार दिए गए 2 लोगों को मृत्युदंड की सजा सुनाई है। राजस्थान के भीलवाड़ा में बहुचर्चित कोटड़ी भट्टी कांड को लेकर अदालत ने शनिवार को दोनों आरोपियों को दोषी करार दिया था। इनमें कालू और कान्हा दोनों सगे भाई हैं। इस विशेष मामले में सात अन्य आरोपियों को कोर्ट ने निर्दोष मानते हुए बरी किया था। नाबालिग लड़की को किडनैप करके उससे 3 बार बलात्कार किया। फिर उसे भट्टी में मुंह के बल डालकर जिंदा जला दिया। लाश पूरी तरह नहीं जली तो टुकड़े करके बोरी में भरकर नहर में फेंक दिया। नहर में एक जगह से खून निकलता देखकर पुलिस ने जांच कराई तो लाश के टुकड़ों से भरी बोरी मिली, जिसके अंदर लाश के टुकड़े मिले। इसके बाद खौफनाक वारदात का खुलासा हुआ। गैंगरेप के बाद भट्टी में

जलाने की यह घटना पिछले वर्ष अगस्त माह में कोटडी थाना क्षेत्र में घटित हुई थी। एक नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया और फिर उसे जिंदा ही भट्टी में फेंक दिया गया। मामला उजागर होने के बाद पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन हुए थे। यह वारदात 2 अगस्त 2023 को घटित हुई। इस हत्याकांड में नाबालिग पीड़ित बकरियां चराने घर से निकली थी। जब वह घर वापस नहीं लौटी तो उसके परिवार ने उसकी तलाश शुरू की। लड़की के न मिलने पर परिवार ने आशंका जताई कि उसका अपहरण कर हत्या कर दी गई है।

मणिपुर में गोली मारकर झारखंड के मजदूर की हत्या, दो घायल

इंफाल। मणिपुर में हिंसा की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामले में झारखंड के तीन मजदूरों को गोली मारी गई है, जिसमें से एक की मौत हो गई है। वारदात का शिकार हुए दो शख्स गंभीर रूप से घायल हैं, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना 19 मई की बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक इम्फाल पश्चिम जिले के लाम्फेल पुलिस स्टेशन के अंतर्गत नाओरेम-थोंग

खुमानथेम तकयेल कोंगबल में नामबुल नदी तट के पास एक अज्ञात व्यक्ति (41) को गोली मार दी गई, घटना में शख्स की मौत हो गई है। इस वारदात में दो शख्स घायल हो गए हैं। घटना रविवार रात करीब 7।30 बजे की बताई जा रही है। मृतक की पहचान झारखंड निवासी श्रीराम हंगसदा के रूप में हुई है। दो घायल व्यक्ति, 22 वर्षीय बिट्टू मुर्मू और 50 वर्षीय मितालाल सोरन भी झारखंड के रहने वाले हैं। तीनों पीड़ित कीस्टोन इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड में मजदूर के रूप में कार्यरत थे। बताया जा रहा है कि घटना की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया। पुलिस के मुताबिक लाम्फेल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है। अपराधी को पकड़ने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। हमले के पीछे का मकसद स्पष्ट नहीं है, और पुलिस जनता से ऐसी जानकारी देने की अपील कर रही है, जो जांच में सहायता कर सके।

इस बार बदलाव होगा, जनता चुपचाप सब देख रही है: मायावती

लखनऊ। लोकसभा चुनाव के पांचवे चरण में बसपा सुप्रीमो व पूर्व सीएम मायावती ने लखनऊ में वोट डाला। इसके साथ ही उन्होंने विपक्ष पर निशाना साध ा। पूर्व सीएम और बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि इस बार बदलाव होगा। मैं समझ सकती हूं कि जनता चुप है और वे ये सब देख रहे हैं। मैंने किसी भी पार्टी से गठबंधन नहीं किया है। राजनीतिक दलों से विकास और लोगों के कल्याण के मुद्दों को प्राथमिकता देने का अनुरोध करती हूं। चाहे वह भाजपा हो या कांग्रेस, सभी दल कहते हैं कि वे सरकार बना रहे हैं।

लेकिन नतीजे घोषित होने पर सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। लखनऊ के चिल्ड्रन एस पैलेस म्युनिसिपल नर्सरी स्कूल में बसपा सुप्रीमो मायावती ने मतदान किया। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने लखनऊ में अपना वोट डाला और सभी राजनीतिक दलों से विकास के मुद्दों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। पांचवें चरण में यूपी की 14 लोकसभा सीटों पर मतदान जारी है। इस चरण में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, केंद्रीय मंत्री स्मृति जूबिन इरानी, कौशल किशोर, निरंजन ज्योति व यूपी सरकार में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह सहित 144 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला होगा।

एम्स द्वारा आयोजित एमडी परीक्षा में नकल कराते 5 गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। ऑल इण्डिया स्तर पर एम्स द्वारा आयोजित एमडी परीक्षा में नकल कराते पांच लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पकडे गये लोगों मे दो एम्स के चिकित्सक भी शामिल है। जिनके कब्जे से मोबाइल फोन, तीन टैब व मेडिकल से सम्बन्धी पुस्तकें बरामद की गयी है।

❑दो डॉक्टर भी शामिल, नकल कराने के लिए थे 50 लाख रुपये

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिहं ने बताया कि ऑल इण्डिया स्तर पर आयोजित एम्स की एमडी परीक्षा के दौरान नकल माफियाओ के सक्रिय होने तथा देहरादून से अन्य प्रान्तों में स्थित परीक्षा केन्द्रो में परीक्षा के दौरान परिक्षार्थियों को अनुचित माध्यमों से नकल कराये जाने की गोपनीय सूचनाएं प्राप्त हुई थी। सूचना की गंभीरता को देखते हुए उस पर रोक लगाने हेतू एसओजी सहित एक पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा एक सूचना के आधार पर बीते रोज बैराज रोड से एक टाटा सफारी में बैठे 5 व्यक्तियों को ऑल इण्डिया स्तर पर आयोजित एम्स की एमडी परीक्षा (इंस्टीट्यूट आफ नेशनल इंपोर्टेंस कंबाइंड एंट्रेंस टेस्ट जुलाई 2024) में गैर प्रान्त कांगडा हिमांचल के परीक्षा केन्द्र में अभ्यर्थियों को मोबाइल फोन एवं टैब के माध्यम से प्रश्न पत्रों के सॉल्वड उत्तर उपलब्ध कराते हुए गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम अजीत पुत्र स्वर्गीय सतवीर सिंह निवासी जिला जींद हरियाणा, अमन शिवाच पुत्र अर्जुन निवासी विकास कॉलोनी रोहतक हरियाणा, वैभव कश्यप पुत्र संजीव कश्यप निवासी अंबिका एनक्लेव सनौर पटियाला पंजाब, विजुल गौरा पुत्र गोविंद लाल निवासी पटेल नगर जिला हिसार हरियाणा, जयंत पुत्र प्रकाश निवासी मकान डिफेंस कॉलोनी जिला हिसार हरियाणा बताये। गिरफ्तार लोगों में से 2 एम्स ऋषिकेश के चिकित्सक है, जिनके द्वारा परिक्षार्थियों को प्रश्न पत्रों के सॉल्वड उत्तर बताये जा रहे थे।

पूछताछ में मुख्य आरोपी अजित द्वारा बताया गया कि उनके द्वारा आज प्रात: 9 बजे से 12 बजे तक आयोजित एम्स की एमडी परीक्षा में हिमांचल इन्सीटयूट आफ इनजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलोजी, विध्यानगर, नियर गर्वनमेंट डिग्री कॉलेज शाहपुर, जिला कांगडा, हिमांचल प्रदेश में स्थित परीक्षा केन्द्र में परीक्षा दे रहे 3 अभ्यर्थियों को परीक्षा में नकल करायी जा रही थी, परीक्षा के दौरान परीक्षा केन्द्र में बैठे परिक्षार्थियों द्वारा उन्हें अपने मोबाइल से प्रश्न पत्रों की फोटो खींचकर टेलीग्राम के माध्यम से उपलब्ध करायी जा रही थी, जिसका उत्तर उनके द्वारा टेलीग्राम पर बनाये गये ग्रुप के माध्यम से परिक्षार्थियो को उपलब्ध कराया जा रहा था। प्रश्न पत्रों के उत्तर सॉल्वड कराने के लिये उनके द्वारा एम्स अस्पताल के डॉक्टर वैभव जेआर व एक अन्य डॉक्टर अमन को हायर किया गया था, डा. अमन आरोपी के एक दोस्त की मौसी का लडका है। आरोपियो द्वारा प्रत्येक अभ्यर्थी को एमडी की परीक्षा में पास कराने के एवज में 50 लाख रुपए लिये गये थे, जिसमें से उसके द्वारा अपने साथ काम करने वालों को दो से तीन लाख रूपये दिये जाते है तथा हमने प्रश्न पत्रों को हल करने के लिए एम्स ऋषिकेश से जिन डॉक्टरों को हायर किया गया था, उन्हे को 2-2 लाख रुपए में हायर किया था। पूछताछ में अजीत द्वारा बताया कि उसकी तीन लैब है, जिनके माध्यम से वह अन्य प्रतियोगी परीक्षाओ में भी परिक्षार्थियों को नकल कराने के एवज में मोटी धनराशि लेता है।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव, जांच शुरु

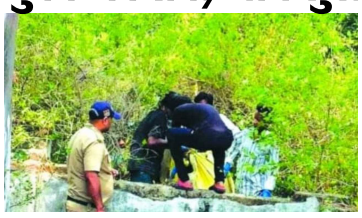

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। रानीपुर कोतवाली क्षेत्र में आज सुबह पेड़ से लटका हुआ एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतारा अैर शव की शिनाख्त के प्रयास किए। शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। जिस पर पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह रानीपुर कोतवाली पुलिस को बीएचईएल फाउंड्री गेट के पास जंगल में पेड़ से लटका हुआ एक शव मिलने की सूचना मिली। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने आम के पेड़ पर एक व्यक्ति लटका हुआ पाया। मृतक के गले में नायलॉन की रस्सी का फंदा बना था। शव देखने में कई दिन पुराना है। पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतारा गया तथा शिनाख्त का प्रयास किया। शव के दाहिने हाथ में कलावा व कलाई पर अंग्रेजी, हिंदी में सौरभ लिखा हुआ है तथा बाएं हाथ की हथेली के पीछे ओम गुदा हुआ है। शव की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर मोर्चरी में भिजवाया दिया है। प्रथम दृष्टया मौत का कारण फांसी लगाकर आत्महत्या करना प्रतीत हो रहा है। मृतक की उम्र करीब 28-30 वर्ष व कद 5 फुट 7 इंच के करीब बताया गया है।

गंगा में बहा विदेशी पर्यटक, तलाश जारी

हमारे संवाददाता

देहरादून। ऋषिकेश मुनि की रेती क्षेत्र मे आज सुबह गंगा में नहाते समय तेज बहाव की चपेट में आने से एक विदेशी पर्यटक बह गया।

सूचना मिलने पर एसडीआरएफ टीम उसकी तलाश में जुटी है, लेकिन उसका कुछ सुराग नहीं लग सका है। जानकारी के अनुसार घटना आज सुबह 7:45 बजे की है। थाना प्रभारी निरीक्षक रितेश शाह ने बताया कि प्रग्नेश औंधिया (59) पुत्र नटवरलाल निवासी 38 एलिमेंट, लंदन यूके अपनी पत्नी पिनाकी व पुत्र आनंद के साथ स्वामी नारायण आश्रम घाट पर नहा रहे थे।

इस दौरान तेज बहाव की चपेट में आने से प्रग्नेश गंगा में बह गए। परिवार ने शोर मचाया तो लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी।

सूचना मिलने पर पुलिस व एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू कर दिया गया। जो समाचार लिखे जाने तक जारी था।

दो दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दो स्थानों से दो दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ओल्ड डालनवाला निवासी नीरज वासुदेव ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी मोटरसाईकिल घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। प्रेमनगर निवासी मनीष मल्होत्रा ने एक नीजि कालेज के बाहर से अपनी मोटरसाईकिल चोरी होने की रिपोर्ट प्रेमनगर थाने में दर्ज करायी। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।